खण्ड-462, अंक-1
गुरुवार, 28 पौष, शक संवत् 1928
(18 जनवरी, 2007 ई0)

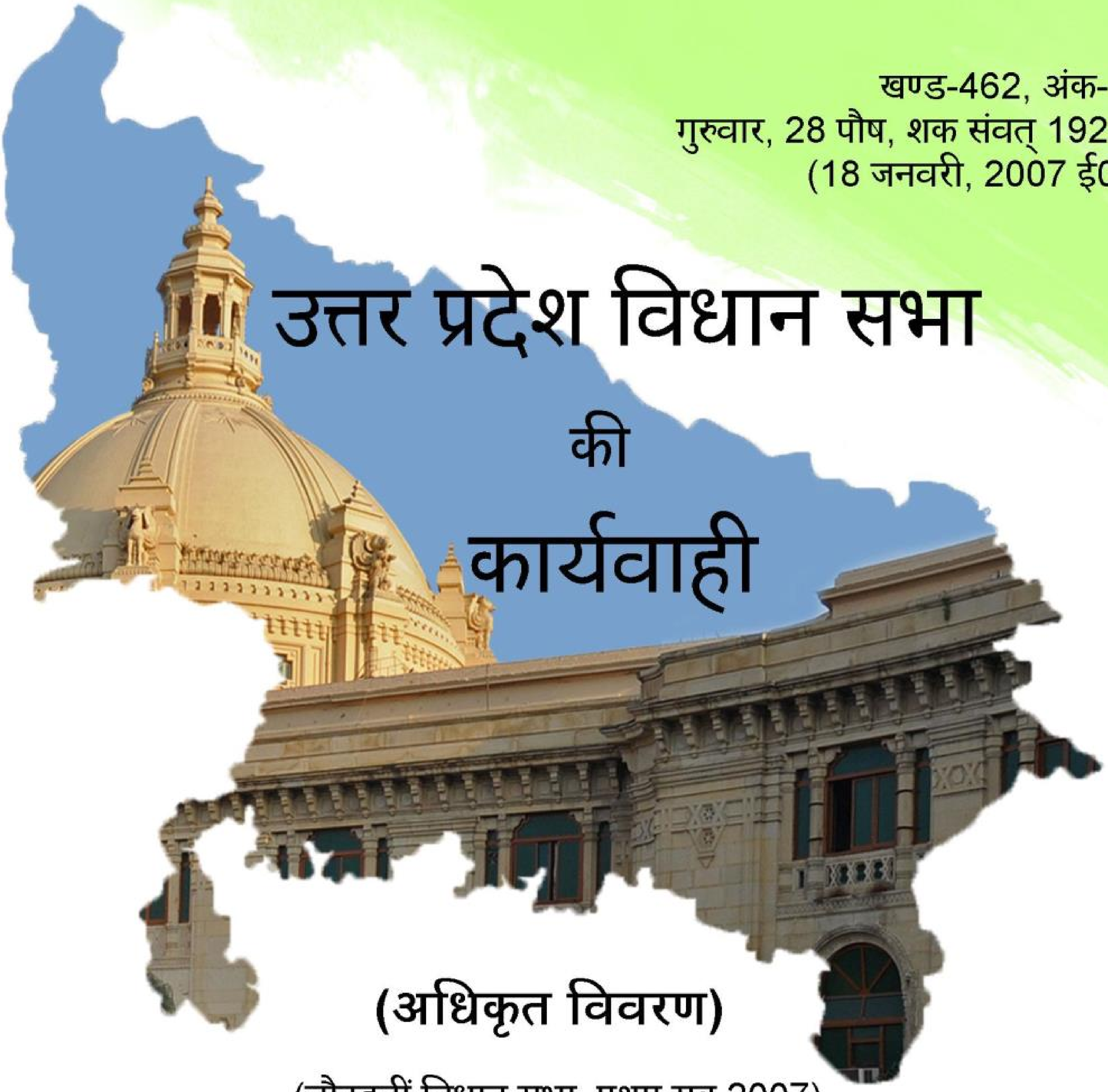

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(चौदहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र 2007)

खण्ड 462 में 6 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2007

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
चौदहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची महामहिम श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	क-ड
उपस्थित सदस्य	ण-न
राष्ट्रीय गीत	1
श्री राज्यपाल के अभिभाषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ ...	1-16
बसपा के सदस्यों द्वारा राज्यपाल के अभिभाषण की प्रति फाड़े जाने की संसदीय कार्य मंत्री द्वारा निन्दा	17
श्री राज्यपाल के अभिभाषण के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न ...	17-20
विगत सत्र में मंत्रि-मण्डल के सदस्य मा0 हाजी याकूब के सम्बन्ध में डा0 लक्ष्मीकान्त बाजपेयी द्वारा उठाये गये औचित्य के प्रश्न पर श्री अध्यक्ष द्वारा सुरक्षित व्यवस्था की मांग	20-21
उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2006 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	21
उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2006 (श्री राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	21
उत्तर प्रदेश विनियोग (लेखानुदान) विधेयक, 2006 (श्री राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	22
उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2006 (श्री राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	22
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिश विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत)	22-24
उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (संशोधन) विधेयक, 2007 (पुरःस्थापित)...	24
उत्तर प्रदेश हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेज (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान) (संशोधन) विधेयक, 2007 (पुरःस्थापित)..	24-25
उत्तर प्रदेश किंग जार्ज दन्त विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 (पुरःस्थापित)	25
किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 (पुरःस्थापित) ...	25
उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2007 (पुरःस्थापित)	26
उत्तर प्रदेश औद्योगिक झगड़ा (संशोधन) विधेयक, 2007 (पुरःस्थापित) ...	26
श्री अध्यक्ष द्वारा सभी मंत्रियों/सदस्यों को आज रात्रि भोज हेतु आमंत्रण ...	26-27
सभी मंत्रियों/सदस्यों के ग्रुप फोटोग्राफ कराये जाने सम्बन्धी व्यवस्था की सूचना..	27

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

चौदहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची

1-अकीलुर्रहमान खां, श्री — मुरादाबाद
2-अक्षयवर लाल, श्री — बहराइच
3-अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
4-अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
5-अजय कुमार, डा0 — बागपत
6-अजय राय, श्री — वाराणसी
7-अजीम भाई, श्री — फिरोजाबाद
8-अताउल रहमान, श्री — बरेली
9-अनवर महमूद, श्री — बलरामपुर
10-अनार सिंह दिवाकर, श्री — एटा
11-अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
12-अनिल कुमार पाण्डेय, श्री — सुल्तानपुर
13-अनिल कुमार मौर्य, श्री — मिर्जापुर
14-अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
15-अनिल कुमार वर्मा, श्री — हरदोई
16-अनिल कुमार सिंह यादव, श्री — एटा
17-अनिल सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
18-अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू, श्री — पीलीभीत
19-अनुग्रह नारायण उर्फ खोखा सिंह, श्री — देवरिया
20-अनूप कुमार पाण्डेय, श्री — बस्ती
21-अन्सार अहमद, श्री — इलाहाबाद
22-अब्दुल कलाम, श्री — सन्त कबीरनगर
23-अब्दुल मन्नान, श्री — हरदोई
24-अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां, श्री — बाराबंकी
25-अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री — फतेहपुर
26-अमरमणि, श्री — महराजगंज
27-अमर सिंह परमार, श्री — आगरा
28-अमर सिंह यादव पुत्र श्री सुन्दर सिंह, श्री — हाथरस
29-अमीता सिंह, श्रीमती — सुल्तानपुर
30-अम्बिका चौधरी, श्री — बलिया
31-अम्बेश कुमारी, श्रीमती — महोबा
32-अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
33-अरविन्द गिरि, श्री — खीरी
34-अरविन्द कुमार सिंह उर्फ गोप, श्री — बाराबंकी
35-अरुण कुमार मेहरोत्रा, डा0 — जालौन
36-अरुण कुमारी, श्रीमती — कानपुर देहात
37-अरुणवीर सिंह, श्री — बहराइच
38-अरुणा तोमर, श्रीमती — कानपुर नगर
39-अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
40-अलगू प्रसाद चौहान, श्री — सन्त कबीरनगर
41-अवधेश कुमार वर्मा, श्री — शाहजहांपुर
42-अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
43-अशोक कुमार कटियार, श्री — कानपुर देहात
44-अशोक बाजपेयी, डा0 — हरदोई
45-अशोक सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
46-आदित्य विक्रम सिंह (बोकू सिंह), श्री — सिद्धार्थनगर
47-आनन्द प्रकाश लोधी, श्री — फतेहपुर
48-आर0 एस0 कुशवाहा, श्री — खीरी
49-आर0 के0 चौधरी, श्री — लखनऊ
50-आर0 के0 सिंह पटेल, श्री — चित्रकूट
51-आलम बदी, श्री — आजमगढ़
52-आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
53-आशा किशोर, श्रीमती — रायबरेली
54-आशीष यादव, श्री — बदायूं
55-आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं
56-इकबाल महमूद, श्री — मुरादाबाद
57-इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी
58-इन्द्रदेव सिंह, डा0 — बिजनौर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

59-उज्ज्वल रमण सिंह, श्री इलाहाबाद
60-उदयभान करवरिया, श्री इलाहाबाद
61-उदयराज यादव, श्री उन्नाव
62-उमा किरन, श्रीमती मुजफ्फरनगर
63-उमा शंकर कुशवाहा, श्री गाजीपुर
64-ओइमवेश, स्वामी बिजनौर
65-ओमकार सिंह यादव, श्री बदायूं
66-ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
67-ओम प्रकाश, श्री सीतापुर
68-ओम प्रकाश (ओ0पी0 सिंह), श्री सुल्तानपुर
69-ओम प्रकाश पाण्डेय, श्री सुल्तानपुर
70-ओम प्रकाश सिंह, श्री मिर्जापुर
71-ओमवती देवी, श्रीमती बिजनौर
72-कपिल देव यादव, श्री मऊ
73-कमलेश कुमार, श्री गोरखपुर
74-कमलेश कुमार पाठक, श्री कानपुर देहात
75-कमाल यूसुफ मलिक, श्री सिद्धार्थनगर
76-कल्यान सिंह दोहरे, श्री कन्नौज
77-काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, नवाब रामपुर
78-कामेश्वर उपाध्याय, श्री देवरिया
79-कालीचरन राजभर, श्री गाजीपुर
80-काशीराम, श्री रामपुर
81-किरण पाल कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
82-किरन पाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
83-किशन लाल बघेल, सेठ आगरा
84-कुतुबुद्दीन अंसारी, श्री बिजनौर
85-कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
86-कृष्ण कुमार उर्फ सतीश वर्मा, श्री हरदोई
87-कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
88-केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
89-कैलाश, श्री गाजीपुर
90-कैलाश चौरसिया, श्री मिर्जापुर
91-कोविद कुमार, श्री शाहजहांपुर
92-कौकब हमीद खां, श्री बागपत
93-कौशल किशोर, श्री खीरी
94-कौशल किशोर, श्री लखनऊ
95-खालिद अज़ीम उर्फ अशरफ, श्री इलाहाबाद
96-गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री आगरा
97-गंगा बक्श सिंह, डा0 उन्नाव
98-गंगा भक्त सिंह, श्री हरदोई
99-गया चरन दिनकर, श्री बांदा
100-गीता सिंह, श्रीमती बलरामपुर
101-गुलाब देवी, श्रीमती मुरादाबाद
102-घूरा राम, श्री बलिया
103-चन्द्र किशोर, श्री महराजगंज
104-चन्द्रदेव राम यादव, श्री आजमगढ़
105-चन्द्रभद्र सिंह, श्री सुल्तानपुर
106-चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री श्रावस्ती
107-चितरंजन स्वरूप, श्री मुजफ्फरनगर
108-छेदी राम, श्री गाजीपुर
109-छोटे लाल यादव, श्री बाराबंकी
110-छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
111-जंग बहादुर सिंह, श्री सुल्तानपुर
112-जगदम्बिका पाल, श्री बस्ती
113-जगदीश नारायण (राय), श्री जौनपुर
114-जगदीश मिश्र बाल्टी बाबा, श्री कुशीनगर
115-जगदीश सिंह राणा, श्री सहारनपुर
116-जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
117-जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
118-जगराम सिंह, श्री मुरादाबाद
119-जटाशंकर सिंह, श्री बहराइच
120-जय प्रकाश यादव, श्री गोरखपुर
121-जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
122-जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
123-जयराम विमल, श्री अम्बेडकरनगर
124-जयवीर सिंह मैनपुरी
125-जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
126-जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भैया, श्री गोरखपुर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

127-जियाउद्दीन रिजवी, श्री — बलिया
128-ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री — महराजगंज
129-तेजपाल सिंह, श्री — मथुरा
130-दद्दू प्रसाद, श्री — चित्रकूट
131-दयाराम, श्री — कौशाम्बी
132-दया शंकर वर्मा, श्री — जालौन
133-दिनेश सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
134-दिलीप कुमार वर्मा, श्री — बहराइच
135-दीनानाथ कुशवाहा, श्री — देवरिया
136-दीनानाथ भाष्कर, श्री — सन्त रविदास नगर, भदोही
137-दुर्गा प्रसाद मिश्र, श्री — देवरिया
138-दुर्गा प्रसाद यादव, श्री — आजमगढ़
139-देवकी नन्दन, श्री — हाथरस
140-देव नारायण उर्फ जी0 एम0 सिंह, श्री — गोरखपुर
141-देवेन्द्र नार्गपाल, श्री — ज्योतिबाफूले नगर
142-देवेन्द्र प्रताप, श्री — एटा
143-देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — रायबरेली
144-द्वारिका प्रसाद, श्री — सन्त कबीर नगर
145-धनंजय सिंह, श्री — जौनपुर
146-धर्मपाल सिंह, श्री — गाजियाबाद
147-धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
148-धर्मराज निषाद, श्री — अम्बेडकरनगर
149-धर्म सिंह सैनी, डा0 — सहारनपुर
150-धर्मेन्द्र कुमार कश्यप, श्री — बरेली
151-धू राम लोधी, चौधरी — हमीरपुर
152-नत्थू सिंह, श्री — उन्नाव
153-नन्दिता शुक्ला, श्रीमती — गोण्डा
154-नरेन्द्र कुमार, श्री — गौतमबुद्ध नगर
155-नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा0 — इलाहाबाद
156-नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री — सीतापुर
157-नरेन्द्र सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
158-नरेन्द्र शिशौदिया, श्री — गाजियाबाद
159-नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री — हरदोई
160-नवाब सिंह नागर, श्री — गौतमबुद्ध नगर
161-नारद राय, श्री — बलिया
162-परमजीत, श्री — मुजफ्फरनगर
163-परमेश्वर दयाल, श्री — सोनभद्र
164-पी0 के0 राय, डा0 — कुशीनगर
165-पीटर फैन्थम, श्री — नाम-निर्देशित
166-पीतम राम, श्री — पीलीभीत
167-पूरन सिंह बुन्देला, श्री — ललितपुर
168-पूर्णमासी देहाती, श्री — कुशीनगर
169-प्रताप चौधरी, श्री — हाथरस
170-प्रदीप जैन "आदित्य", श्री — झांसी
171-प्रदीप माथुर, श्री — मथुरा
172-प्रभु दयाल, श्री — मेरठ
173-प्रभु नारायण, श्री — चन्दौली
174-प्रमोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
175-प्रमोद गौड़, श्री — अलीगढ़
176-प्रागी लाल अहिरवार, श्री — झांसी
177-प्रेम पाल सिंह यादव, श्री — बदायूं
178-प्रेमलता कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
179-प्रेमलता देवी, श्रीमती — अलीगढ़
180-प्रेम सिंह, श्री — मथुरा
181-फतेह बहादुर, श्री — महराजगंज
182-फसीहा बशीर, चौधरी (गजाला), श्रीमती — देवरिया
183-फागू, श्री — मऊ
184-बंशीधर राज, श्री — खीरी
185-बलराम यादव, श्री — आजमगढ़
186-बादशाह सिंह, श्री — हमीरपुर
187-बाबूराम, एम0काम, श्री — जालौन
188-बाबू लाल, श्री — गोण्डा
189-बाबू लाल, चौधरी — आगरा
190-बाबू लाल कुशवाहा, श्री — बांदा

191-विजय सिंह, श्री फर्रुखाबाद
192-बीजू पटनायक, श्री गाजीपुर
193-बीना भारद्वाज, श्रीमती रामपुर
194-बृजेन्द्र कुमार व्यास (डमडम महराज), श्री झांसी
195-बृजेन्द्र प्रताप सिंह कुंवर, एडवोकेट जालौन
196-बैजनाथ पासवान, श्री मऊ
197-बैजनाथ दुबे, श्री गोण्डा
198-ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री देवरिया
199-भगवत शरन गंगवार, श्री बरेली
200-भगेलू राम, श्री सुल्तानपुर
201-भरत सिंह, श्री बलिया
202-भारतेन्द्र सिंह, कुंवर बिजनौर
203-भूपेन्द्र सिंह, श्री बदायूं
204-मतेश चन्द्र सोनकर, श्री कौशाम्बी
205-मदन गोपाल वर्मा, श्री फतेहपुर
206-मदन चौहान, श्री गाजियाबाद
207-मदन भैया, श्री बागपत
208-मदन सिंह उर्फ सन्तोष कुमार, श्री इटावा
209-मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री रायबरेली
210-मलिक मसूद, श्री आजमगढ़
211-मशहूद खां, श्री बलरामपुर
212-मस्तराम चौ0, एडवोकेट उन्नाव
213-महबूब अली, श्री ज्योतिबाफूले नगर
214-महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा आगरा
215-महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री सीतापुर
216-महेन्द्र सिंह, चौधरी अलीगढ़
217-महेन्द्र सिंह यादव, श्री बुलन्दशहर
218-महेन्द्र सिंह राजपूत, श्री इटावा
219-महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर देहात
220-महेश नारायण सिंह, श्री इलाहाबाद
221-माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
222-मान पाल सिंह, श्री एटा
223-माया प्रसाद, श्रीमती खीरी
224-मिथिलेश कुमार, श्री शाहजहांपुर
225-मुकुट बिहारी वर्मा, श्री बहराइच
226-मुकुल उपाध्याय, श्री अलीगढ़
227-मुलायम सिंह यादव, श्री बदायूं
228-मुंशीलाल गौतम, श्री बुलन्दशहर
229-मूलचन्द्र चौहान, ठाकुर बिजनौर
230-मोख्तार अंसारी, श्री मऊ
231-मोहन देव शंखवार, श्री फिरोजाबाद
232-मोहम्मद आकिल उर्फ मुन्ना मियां, श्री मुरादाबाद
233-मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
234-मोहम्मद इरशाद खां, श्री लखनऊ
235-मोहम्मद बशीर, चौधरी आगरा
236-मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
237-मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
238-मोहम्मद शफीर, श्री फतेहपुर
239-यशपाल चौधरी, श्री खीरी
240-यशवन्त सिंह, डा0 मुजफ्फरनगर
241-याकूब, हाजी मेरठ
242-योगेन्द्र कुमार, श्री बदायूं
243-योगेश प्रताप सिंह उर्फ योगेश भइया, श्री गोण्डा
244-रंगनाथ मिश्र, श्री संत रविदास नगर, भदोही
245-रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया, श्री प्रतापगढ़
246-रणवीर राणा, श्री मेरठ
247-रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर कुशीनगर
248-रतन लाल अहिरवार, श्री झांसी
249-रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री कुशीनगर
250-रमेश चन्द्र बिन्द, डा0 मिर्जापुर
251-रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो0 मेरठ
252-राकेश कुमार वर्मा, श्री बाराबंकी

253-राकेश पाण्डेय, श्री — अम्बेडकर नगर
254-राकेश सचान, श्री — कानपुर देहात
255-राज किशोर सिंह, श्री — बस्ती
256-राजनाथ यादव, श्री — वाराणसी
257-राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
258-राजपाल सिंह बालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
259-राजपाल सिंह सैनी, श्री — मुजफ्फरनगर
260-राजरानी रावत, श्रीमती — बाराबंकी
261-राजलक्ष्मी वर्मा, श्रीमती — बाराबंकी
262-राजवीर सिंह, श्री — बुलन्दशहर
263-राजा राम, श्री — प्रतापगढ़
264-राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
265-राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
266-राजेन्द्र प्रसाद यादव, श्री — लखनऊ
267-राजेन्द्र सिंह चौहान, श्री — एटा
268-राजेन्द्र सिंह राणा, श्री — सहारनपुर
269-राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
270-राजेश कुमार, श्री — खीरी
271-राधा मोहन दास अग्रवाल, डा0 — गोरखपुर
272-राधेश्याम जायसवाल, श्री — सीतापुर
273-राधेश्याम सिंह, श्री — कुशीनगर
274-राबिया कलाम, श्रीमती — वाराणसी
275-राम अचल राजभर, श्री — अम्बेडकर नगर
276-राम इकबाल सिंह, श्री — बलिया
277-राम करन आर्य, श्री — बस्ती
278-राम किशुन, श्री — चन्दौली
279-राम कृपाल, श्री — इलाहाबाद
280-राम कृष्ण, श्री — सीतापुर
281-राम गोविन्द चौधरी, श्री — बलिया
282-राम चन्द्र यादव, श्री — फैजाबाद
283-राम जी शुक्ला, श्री — औरैया
284-राम नरेश यादव, श्री — आजमगढ़
285-रामनाथ, श्री — प्रतापगढ़
286-रामपाल यादव, श्री — सीतापुर
287-राम पाल वर्मा, श्री — हरदोई
288-राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री — कन्नौज
289-राम प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा
290-राम प्रसाद चौधरी, श्री — बस्ती
291-रामबाबू हरित, डा0 — आगरा
292-राम बिशुन आजाद, श्री — गोण्डा
293-राम भुआल निषाद, श्री — गोरखपुर
294-राम मगन, श्री — बाराबंकी
295-राम लाल अकेला, श्री — रायबरेली
296-रामवीर उपाध्याय, श्री — हाथरस
297-रामवीर सिंह, श्री — फिरोजाबाद
298-राम शंकर पाल, श्री — उन्नाव
299-राम सेवक, श्री — सुल्तानपुर
300-राम स्वरूप सिंह, श्री — कानपुर देहात
301-रामहेत भारती, श्री — सीतापुर
302-रामेश्वर सिंह यादव, श्री — एटा
303-रिजवान अहमद खां, श्री — ज्योतिबाफूले नगर
304-रियाज अहमद, श्री — पीलीभीत
305-लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा0 — मेरठ
306-लल्लू सिंह, श्री — फैजाबाद
307-लालजी टण्डन, श्री — लखनऊ
308-लालजी वर्मा, श्री — अम्बेडकर नगर
309-लाल बहादुर यादव, श्री — जौनपुर
310-लुईस खुर्शीद, श्रीमती — फर्रुखाबाद
311-वकार अहमद शाह, डा0 — बहराइच
312-वसीम अहमद, श्री — आजमगढ़
313-विजमा यादव, श्रीमती — इलाहाबाद
314-विजय कुमार मिश्रा, श्री — सन्त रविदास नगर, भदोही
315-विजय बहादुर पाल, श्री — कन्नौज
316-विजय सिंह, श्री — सोनभद्र
317-विद्या चौधरी, श्रीमती — आजमगढ़
318-विद्या सागर गुप्ता, श्री — लखनऊ
319-विनय शाक्य, श्री — औरैया

उत्तर प्रदेश विधान सभा

320-विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
321-विनोद कुमार यादव उर्फ कक्का, श्री इटावा
322-विनोद कुमार सिंह, श्री जौनपुर
323-विनोद तिवारी, डा0 पीलीभीत
324-विमल कृष्ण अग्रवाल, श्री बदायूं
325-विमला राकेश, श्रीमती सहारनपुर
326-विवेक बंसल, श्री अलीगढ़
327-विशम्भर प्रसाद निषाद, श्री बांदा
328-विश्राम सिंह यादव, श्री हरदोई
329-वीरेन्द्र प्रताप सिंह "मुन्ना", श्री शाहजहांपुर
330-वीरेन्द्र सिंह गंगवार, श्री बरेली
331-वीरेन्द्र सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
332-वीरेन्द्र सिंह,श्री वाराणसी
333-वीरेन्द्र सिंह बुन्देला "भगत राजा", श्री ललितपुर
334-वीरेश्वर, श्री अलीगढ़
335-वेदराम भाटी, श्री बुलन्दशहर
336-शचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री सन्त रविदासनगर, भदोही
337-शब्बीर, श्री बहराइच
338-शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
339-शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
340-शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
341-शाकिर अली, श्री देवरिया
342-शारदा देवी, श्रीमती गोरखपुर
343-शारदा नन्द अंचल, श्री बलिया
344-शारदा प्रसाद,श्री चन्दौली
345-शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
346-शिव कुमार बेरिया, श्री कानपुर देहात
347-शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर
348-शिव तपस्या पासवान, श्री चन्दौली
349-शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
350-शिव प्रताप यादव, डा0 बलरामपुर
351-शिवाकान्त ओझा, प्रोफेसर प्रतापगढ़
352-शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महराजगंज
353-शिशुपाल सिंह यादव, श्री एटा
354-शैलेन्द्र यादव "ललई", श्री जौनपुर
355-श्याम सिंह अहेरिया, श्री मथुरा
356-श्यामदेव राय चौधरी, श्री वाराणसी
357-श्याम नारायन, श्री महराजगंज
358-श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
359-श्याम लाल रावत, श्री सीतापुर
360-श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
361-श्याम सूरत उपाध्याय, श्री इलाहाबाद
362-श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
363-श्रीराम भारती, श्री मिर्जापुर
364-संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
365-संजीव दरियाबादी, श्री कानपुर नगर
366-संदीप अग्रवाल, श्री मुरादाबाद
367-सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
368-सत्तो देवी, श्रीमती सहारनपुर
369-सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री मेरठ
370-सदल प्रसाद, श्री गोरखपुर
371-सन्ध्या कठेरिया, कु0 मैनपुरी
372-समरपाल सिंह, श्री बागपत
373-सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुं0 मुरादाबाद
374-सलिल विश्नोई, श्री कानपुर नगर
375-सिद्ध गोपाल साहू, श्री महोबा
376-सियाराम सागर, डा0 बरेली
377-सीताराम निषाद, श्री फैजाबाद
378-सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
379-सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
380-सुन्दर लाल, श्री उन्नाव
381-सुन्दर सिंह, श्री बुलन्दशहर
382-सुरेन्द्र कुमार मुन्नी, श्री गाजियाबाद
383-सुरेन्द्र पाल वर्मा, श्री बांदा

384-सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	जौनपुर	394-सोवरन सिंह, श्री	मैनपुरी
385-सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री	रायबरेली	395-स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	रायबरेली
386-सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी	396-हरि ओम यादव, श्री	फिरोजाबाद
387-सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर	397-हरि प्रताप सिंह, श्री	प्रतापगढ़
388-सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री	लखनऊ	398-हरि शंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर
389-सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री	लखनऊ	399-हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी", श्री	वाराणसी.
90-सुल्तान बेग, श्री	बरेली	400-हीरा लाल गौतम, श्री	आजमगढ़
391-सुशील चौधरी, डा0	सहारनपुर	401-हुकुम सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
392-सूरज सिंह शाक्य, श्री	एटा	402-होशियार सिंह, श्री	बुलन्दशहर
393-सोमारू राम सरोज, श्री	जौनपुर		

*** दिनांक 15 अगस्त, 2006 को श्री राम स्वरूप सिंह (बिजनौर) की मृत्यु के फलस्वरूप।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

महामहिम राज्यपाल
श्री टी0वी0 राजेस्वर
मंत्रि-परिषद्
मंत्री

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री मुलायम सिंह यादव	सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गृह, गोपन, सतर्कता, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, वित्त, कर एवं निबन्धन (व्यापार कर), न्याय, विधायी, नियोजन, प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन, राज्य सम्पत्ति, आबकारी (मद्य निषेध को छोड़कर), माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा (आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा को छोड़कर), स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, आवास एवं शहरी नियोजन, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन समन्वय, पिछड़ा वर्ग कल्याण, सार्वजनिक उद्यम, सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, पर्यटन, पशुधन, खाद्य एवं प्रसंस्करण, राजनैतिक पेंशन, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत तथा भाषा।
2	श्री मोहम्मद आजम खां	संसदीय कार्य, नगर विकास
3	श्री शिवपाल सिंह यादव	लोक निर्माण, भूतत्व एवं खनिकर्म, कृषि विदेश व्यापार, कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात, ऊर्जा
4	श्री अहमद हसन	परिवार कल्याण
5	श्री बलराम यादव	पंचायती राज
6	श्री अवधेश प्रसाद	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण
7	श्री नरेश अग्रवाल	परिवहन
8	डा0 अशोक बाजपेयी	कृषि (कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात को छोड़कर) एवं धर्मार्थ कार्य
9	श्री किरनपाल सिंह	बेसिक शिक्षा
10	श्री अम्बिका चौधरी	राजस्व
11	श्री हरिशंकर तिवारी	स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क, नागरिक सुरक्षा
12	श्री राम गोविन्द चौधरी	बाल विकास एवं पुष्टाहार
13	श्री शाकिर अली	लघु सिंचाई, मुस्लिम वक्फ
14	श्री विशम्भर प्रसाद निषाद	वाह्य सहायतित परियोजना, अम्बेडकर ग्राम विकास, समग्र ग्राम विकास

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
15	श्री आर0 के0 चौधरी	खेलकूद, युवा कल्याण
16	श्री राजाराम पाण्डेय	खादी एवं ग्रामोद्योग
17	श्री ओम प्रकाश सिंह	भूमि विकास एवं जल संसाधन, परती भूमि विकास
18	श्री राज किशोर सिंह	उद्यान
19	श्री जगदीश सिंह राना	लघु उद्योग, वस्त्रोद्योग, रेशम उद्योग
20	श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी	होमगार्ड्स, प्रान्तीय रक्षा दल
21	श्री राकेश कुमार वर्मा	कारागार
22	डा0 वकार अहमद शाह	श्रम एवं सेवायोजन
23	श्री राजपाल त्यागी	ग्राम्य विकास
24	श्री दुर्गा प्रसाद मिश्र	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सैनिक कल्याण
25	श्री ख्वाजा हलीम	औद्योगिक विकास
26	श्री उज्ज्वल रमण सिंह	पर्यावरण
27	श्री कुंवर रघुराज प्रताप सिंह, राजा भैया	खाद्य एवं रसद

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1	श्री कामेश्वर उपाध्याय	दुग्ध विकास
2	श्री दिनेश सिंह	अर्थ एवं संख्या, प्रशासनिक सुधार एवं मनोरंजन कर
3	श्री वीरेन्द्र सिंह	वन
4	श्री वीरेन्द्र सिंह बुन्देला	कार्यक्रम कार्यान्वयन, राष्ट्रीय एकीकरण, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा
5	श्री श्याम नारायण	विकलांग कल्याण, मत्स्य
6	श्री हाजी याकूब	अल्पसंख्यक, हज
7	श्री शारदानन्द अंचल	सहकारिता
8	श्री योगेश प्रताप सिंह	कृषि शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा
9	श्री राजेन्द्र सिंह राना	महिला कल्याण, संस्कृति, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्य मंत्री

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री अजीत कुमार राजू	बेसिक शिक्षा
2	श्री अरविन्द कुमार सिंह गोप	लोक निर्माण
3	श्री इकबाल महमूद	राजस्व
4	श्री कैलाश	औद्योगिक विकास
5	श्री नारद राय	नगर विकास
6	श्री बनवारी सिंह यादव	प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन एवं राज्य सम्पत्ति
7	श्री मानपाल सिंह	माध्यमिक शिक्षा
8	श्री राम आसरे विश्वकर्मा	उच्च शिक्षा
9	श्री विनोद कुमार सिंह	चिकित्सा शिक्षा (आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा को छोड़कर)
10	श्री सीताराम निषाद	कारागार
11	श्री सूरज सिंह शाक्य	कारागार
12	श्री शाहिद मंजूर	वित्त
13	श्री शैलेन्द्र यादव	आवास
14	श्री संजय गर्ग	कर एवं निबन्धन (व्यापार कर)
15	श्री जय प्रकाश यादव	कृषि

नेता विरोधी दल
श्री लालजी टण्डन

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री माता प्रसाद पाण्डेय

उपाध्यक्ष

श्री राजेश अग्रवाल

प्रमुख सचिव

(1) श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय
(2) श्री आदित्य नाथ मित्तल

अधिष्ठाता मण्डल

1-श्री अरविन्द गिरि, सदस्य, विधान सभा (खीरी),
2-श्री बंशीधर राज, सदस्य, विधान सभा (खीरी),
3-श्री वसीम अहमद, सदस्य, विधान सभा (आजमगढ़),
4-श्री उदय राज यादव, सदस्य, विधान सभा (उन्नाव),
5-श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा (रायबरेली),
6-डा0 लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, सदस्य, विधान सभा (मेरठ),
7-श्री ओम प्रकाश सिंह, सदस्य, विधान सभा (मिर्जापुर),
8-श्रीमती विद्या चौधरी, सदस्य, विधान सभा (आजमगढ़),
9-श्री जगदीश नारायण राय, सदस्य, विधान सभा (जौनपुर),
10-श्री श्याम सूरत उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा (इलाहाबाद)।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

गुरुवार दिनांक 18 जनवरी, 2007

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 1 बजे अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-353

अकीलुर्रहमान खां, श्री — मुरादाबाद
अक्षयवर लाल, श्री — बहराइच
अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
अजय कुमार, डा0 — बागपत
अताउल रहमान, श्री — बरेली
अनवर महमूद, श्री — बलरामपुर
अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
अनिल कुमार पाण्डेय, श्री — सुल्तानपुर
अनिल कुमार मौर्य, श्री — मिर्जापुर
अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
अनिल कुमार वर्मा, श्री — हरदोई
अनिल कुमार सिंह यादव, श्री — एटा
अनिल सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू, श्री — पीलीभीत
अनुग्रह नारायण उर्फ खोखा सिंह, श्री — देवरिया
अनूप कुमार पाण्डेय, श्री — बस्ती
अन्सार अहमद, श्री — इलाहाबाद
अब्दुल कलाम, श्री — सन्त कबीर नगर
अब्दुल मन्नान, श्री — हरदोई
अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां, श्री — बाराबंकी
अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री — फतेहपुर
अमर सिंह परमार, श्री — आगरा
अमर सिंह यादव पुत्र श्री सुन्दर सिंह, श्री — हाथरस
अमीता सिंह, श्रीमती — सुल्तानपुर
अम्बिका चौधरी, श्री — बलिया
अम्बेश कुमारी, श्रीमती — महोबा
अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
अरविन्द कुमार सिंह उर्फ गोप, श्री — बाराबंकी
अरुण कुमार मेहरोत्रा, डा0 — जालौन
अरुण कुमारी, श्रीमती — कानपुर देहात
अरुणवीर सिंह, श्री — बहराइच
अरुणा तोमर, श्रीमती — कानपुर नगर
अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
अलगू प्रसाद चौहान, श्री — सन्त कबीर नगर
अवधेश कुमार वर्मा, श्री — शाहजहांपुर
अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
अशोक कुमार कटियार, श्री — कानपुर देहात
अशोक बाजपेयी, डा0 — हरदोई
अशोक सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
आदित्य विक्रम सिंह (बोकू सिंह), श्री — सिद्धार्थनगर
आनन्द प्रकाश लोधी, श्री — फतेहपुर
आर0एस0 कुशवाहा, श्री — खीरी
आर0 के0 सिंह पटेल, श्री — चित्रकूट
आलम बदी, श्री — आजमगढ़
आशा किशोर, श्रीमती — रायबरेली
आशीष यादव, श्री — बदायूं
आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं
इकबाल महमूद, श्री — मुरादाबाद
इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी
इन्द्रदेव सिंह, डा0 — बिजनौर
उज्ज्वल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
उदयराज यादव, श्री — उन्नाव
उमा किरन, श्रीमती — मुजफ्फरनगर
उमा शंकर कुशवाहा, श्री — गाजीपुर
ओमकार सिंह यादव, श्री — बदायूं

ओम प्रकाश, श्री	गाजीपुर
ओम प्रकाश (ओ0पी0 सिंह), श्री	सुल्तानपुर
ओम प्रकाश पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
कपिल देव यादव, श्री	मऊ
कमलेश कुमार, श्री	गोरखपुर
कमाल यूसुफ मलिक, श्री	सिद्धार्थनगर
कल्यान सिंह दोहरे, श्री	कन्नौज
कामेश्वर उपाध्याय, श्री	देवरिया
कालीचरन राजभर, श्री	गाजीपुर
काशीराम, श्री	रामपुर
किरण पाल कश्यप, श्री	मुजफ्फरनगर
किरन पाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा
कुतुबुद्दीन अंसारी, श्री	बिजनौर
कुलदीप सिंह सेंगर, श्री	उन्नाव
कृष्ण कुमार उर्फ सतीश वर्मा, श्री	हरदोई
कृष्णा पासवान, श्रीमती	फतेहपुर
केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
कैलाश, श्री	गाजीपुर
कैलाश चौरसिया, श्री	मिर्जापुर
कोविद कुमार, श्री	शाहजहांपुर
कौकब हमीद खां, श्री	बागपत
कौशल किशोर, श्री	खीरी
कौशल किशोर, श्री	लखनऊ
खालिद अज़ीम उर्फ अशरफ, श्री	इलाहाबाद
गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री	आगरा
गंगा बक्श सिंह, डा0	उन्नाव
गंगा भक्त सिंह, श्री	हरदोई
गया चरन दिनकर, श्री	बांदा
गीता सिंह, श्रीमती	बलरामपुर
गुलाब देवी, श्रीमती	मुरादाबाद
घूरा राम, श्री	बलिया
चन्द्र किशोर, श्री	महराजगंज
चन्द्रदेव राम यादव, श्री	आजमगढ़
छेदी राम, श्री	गाजीपुर
छोटे लाल यादव, श्री	बाराबंकी
छोटे लाल वर्मा, श्री	आगरा
जंग बहादुर सिंह, श्री	सुल्तानपुर
जगदम्बिका पाल, श्री	बस्ती
जगदीश नारायण (राय), श्री	जौनपुर
जगदीश मिश्र बाल्टी बाबा, श्री	कुशीनगर
जगदीश सिंह राणा, श्री	सहारनपुर
जगदीश सोनकर,श्री	जौनपुर
जगन प्रसाद गर्ग, श्री	आगरा
जगराम सिंह, श्री	मुरादाबाद
जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री	फर्रुखाबाद
जय प्रकाश यादव, श्री	गोरखपुर
जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
जयराम विमल, श्री	अम्बेडकरनगर
जयवीर सिंह, श्री	मैनपुरी
जयवीर सिंह, ठाकुर	अलीगढ़
जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भैया,श्री	गोरखपुर
जियाउद्दीन रिजवी, श्री	बलिया
ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री	महराजगंज
तेजपाल सिंह, श्री	मथुरा
दद्दू प्रसाद, श्री	चित्रकूट
दयाराम, श्री	कौशाम्बी
दया शंकर वर्मा, श्री	जालौन
दिनेश सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
दिलीप कुमार वर्मा, श्री	बहराइच
दीनानाथ कुशवाहा, श्री	देवरिया
दीनानाथ भाष्कर, श्री	सन्त रविदासनगर, भदोही
दुर्गा प्रसाद मिश्र, श्री	देवरिया

दुर्गा प्रसाद यादव, श्री	आजमगढ़
देवकी नन्दन, श्री	हाथरस
देवेन्द्र नागपाल, श्री	ज्योतिबाफूले नगर
देवेन्द्र प्रताप, श्री	एटा
देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	रायबरेली
द्वारिका प्रसाद, श्री	सन्त कबीर नगर
धनंजय सिंह, श्री	जौनपुर
धर्मपाल सिंह, श्री	बरेली
धर्मराज निषाद, श्री	अम्बेडकरनगर
धर्म सिंह सैनी, डा0	सहारनपुर
धर्मेन्द्र कुमार कश्यप, श्री	बरेली
धू राम लोधी, चौधरी	हमीरपुर
नत्थू सिंह, श्री	उन्नाव
नन्दिता शुक्ला, श्रीमती	गोण्डा
नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा0	इलाहाबाद
नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री	सीतापुर
नरेन्द्र सिंह यादव, श्री	फर्रुखाबाद
नरेन्द्र शिशौदिया, श्री	गाजियाबाद
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
नवाब सिंह नागर, श्री	गौतमबुद्ध नगर
नारद राय, श्री	बलिया
परमजीत, श्री	मुजफ्फरनगर
पी0 के0 राय, डा0	कुशीनगर
पीटर फैन्थम, श्री	नाम-निर्देशित
पीतम राम, श्री	पीलीभीत
पूर्णमासी देहाती, श्री	कुशीनगर
प्रताप चौधरी, श्री	हाथरस
प्रदीप जैन "आदित्य", श्री	झांसी
प्रदीप माथुर, श्री	मथुरा
प्रभु नारायण, श्री	चन्दौली
प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़
प्रमोद गौड़, श्री	अलीगढ़
प्रागी लाल अहिरवार, श्री	झांसी
प्रेम पाल सिंह यादव, श्री	बदायूं
प्रेमलता कटियार, श्रीमती	कानपुर नगर
प्रेमलता देवी, श्रीमती	अलीगढ़
प्रेम सिंह, श्री	मथुरा
फसीहा बशीर, चौधरी (गजाला), श्रीमती	देवरिया
फागू, श्री	मऊ
बंशीधर राज, श्री	खीरी
बलराम यादव, श्री	आजमगढ़
बाबूराम, एम0काम, श्री	जालौन
बाबू लाल, श्री	गोण्डा
बाबू लाल कुशवाहा, श्री	बांदा
बिजय सिंह, श्री	फर्रुखाबाद
बीजू पटनायक, श्री	गाजीपुर
बीना भारद्वाज, श्रीमती	रामपुर
बृजेन्द्र कुमार व्यास (डमडम महराज), श्री	झांसी
बृजेन्द्र प्रताप सिंह कुंवर, एडवोकेट	जालौन
बैजनाथ पासवान, श्री	मऊ
बैजनाथ दुबे, श्री	गोण्डा
ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री	देवरिया
भगवत शरन गंगवार, श्री	बरेली
भगेलू राम, श्री	सुल्तानपुर
भरत सिंह, श्री	बलिया
भारतेन्द्र सिंह, कुंवर	बिजनौर
भूपेन्द्र सिंह, श्री	बदायूं
मतेश चन्द्र सोनकर, श्री	कौशाम्बी
मदन गोपाल वर्मा, श्री	फतेहपुर
मदन चौहान, श्री	गाजियाबाद
मदन सिंह उर्फ सन्तोष कुमार, श्री	इटावा
मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री	रायबरेली
मलिक मसूद, श्री	आजमगढ़
मशहूद खां, श्री	बलरामपुर
मस्तराम चौ0, एडवोकेट	उन्नाव
महबूब अली, श्री	ज्योतिबाफूले नगर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री — सीतापुर
महेन्द्र सिंह, चौधरी — अलीगढ़
महेन्द्र सिंह यादव, श्री — बुलन्दशहर
महेन्द्र सिंह राजपूत, श्री — इटावा
महेश त्रिवेदी, श्री — कानपुर देहात
माता प्रसाद पाण्डेय, श्री — सिद्धार्थनगर
मान पाल सिंह, श्री — एटा
माया प्रसाद, श्रीमती — खीरी
मिथिलेश कुमार, श्री — शाहजहांपुर
मुकुट बिहारी वर्मा, श्री — बहराइच
मुकुल उपाध्याय, श्री — अलीगढ़
मुलायम सिंह यादव, श्री — बदायूं
मुंशीलाल गौतम, श्री — बुलन्दशहर
मूलचन्द्र चौहान, ठाकुर — बिजनौर
मोहन देव शंखवार, श्री — फिरोजाबाद
मोहम्मद आकिल उर्फ मुन्ना मियां, श्री — मुरादाबाद
मोहम्मद आजम खां, श्री — रामपुर
मोहम्मद इरशाद खां, श्री — लखनऊ
मोहम्मद बशीर, चौधरी — आगरा
मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी, श्री — इलाहाबाद
मोहम्मद रिजवान, श्री — मुरादाबाद
मोहम्मद शफीर, श्री — फतेहपुर
यशपाल चौधरी, श्री — खीरी
यशवन्त सिंह, डा0 — मुजफ्फरनगर
योगेन्द्र कुमार, श्री — बदायूं
योगेश प्रताप सिंह उर्फ योगेश भइया, श्री — गोण्डा
रंगनाथ मिश्र, श्री — संत रविदास नगर, भदोही
रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया, श्री — प्रतापगढ़
रणवीर राणा, श्री — मेरठ
रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर — कुशीनगर
रतन लाल अहिरवार, श्री — झांसी
रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री — कुशीनगर
रमेश चन्द्र बिन्द, डा0 — मिर्जापुर
रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो0 — मेरठ
राकेश पाण्डेय, श्री — अम्बेडकर नगर
राकेश सचान, श्री — कानपुर देहात
राज किशोर सिंह, श्री — बस्ती
राजनाथ यादव, श्री — वाराणसी
राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
राजपाल सिंह बालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
राजपाल सिंह सैनी, श्री — मुजफ्फरनगर
राजरानी रावत, श्रीमती — बाराबंकी
राजलक्ष्मी वर्मा, श्रीमती — बाराबंकी
राजवीर सिंह, श्री — बुलन्दशहर
राजा राम, श्री — प्रतापगढ़
राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
राजेन्द्र प्रसाद यादव, श्री — लखनऊ
राजेन्द्र सिंह चौहान, श्री — एटा
राजेन्द्र सिंह राणा, श्री — सहारनपुर
राजेश कुमार, श्री — खीरी
राधा मोहन दास अग्रवाल, डा0 — गोरखपुर
राधेश्याम जायसवाल, श्री — सीतापुर
राधेश्याम सिंह, श्री — कुशीनगर
राबिया कलाम, श्रीमती — वाराणसी
राम अचल राजभर, श्री — अम्बेडकर नगर
राम इकबाल सिंह, श्री — बलिया
राम करन आर्य, श्री — बस्ती
राम किशुन, श्री — चन्दौली
राम कृपाल, श्री — इलाहाबाद
राम कृष्ण, श्री — सीतापुर
राम गोविन्द चौधरी, श्री — बलिया
राम चन्द्र यादव, श्री — फैजाबाद
राम नरेश यादव, श्री — आजमगढ़
रामनाथ, श्री — प्रतापगढ़

उत्तर प्रदेश विधान सभा

रामपाल यादव, श्री	सीतापुर
राम पाल वर्मा, श्री	हरदोई
राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री	कन्नौज
राम प्रसाद चौधरी, श्री	बस्ती
रामबाबू हरित, डा0	आगरा
राम बिशुन आजाद, श्री	गोण्डा
राम भुआल निषाद, श्री	गोरखपुर
राम मगन, श्री	बाराबंकी
राम लाल अकेला, श्री	रायबरेली
रामवीर उपाध्याय, श्री	हाथरस
राम शंकर पाल, श्री	उन्नाव
राम सेवक, श्री	सुल्तानपुर
राम स्वरूप सिंह, श्री	कानपुर देहात
रिजवान अहमद खां, श्री	ज्योतिबाफूले नगर
रियाज अहमद, श्री	पीलीभीत
लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा0	मेरठ
लल्लू सिंह, श्री	फैजाबाद
लालजी टण्डन, श्री	लखनऊ
लालजी वर्मा, श्री	अम्बेडकर नगर
लाल बहादुर यादव, श्री	जौनपुर
लुईस खुर्शीद, श्रीमती	फर्रुखाबाद
वकार अहमद शाह, डा0	बहराइच
वसीम अहमद, श्री	आजमगढ़
विजमा यादव, श्रीमती	इलाहाबाद
विजय कुमार मिश्रा, श्री	सन्त रविदास नगर, भदोही
विजय बहादुर पाल, श्री	कन्नौज
विजय सिंह, श्री	सोनभद्र
विद्या चौधरी, श्रीमती	आजमगढ़
विद्या सागर गुप्ता,श्री	लखनऊ
विनय शाक्य, श्री	औरैया
विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री	गोण्डा
विनोद कुमार सिंह, श्री	जौनपुर
विनोद तिवारी, डा0	पीलीभीत
विमल कृष्ण अग्रवाल, श्री	बदायूं
विमला राकेश, श्रीमती	सहारनपुर
विशम्भर प्रसाद निषाद, श्री	बांदा
विश्राम सिंह यादव, श्री	हरदोई
वीरेन्द्र प्रताप सिंह "मुन्ना" श्री	शाहजहांपुर
वीरेन्द्र सिंह गंगवार, श्री	बरेली
वीरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
वीरेन्द्र सिंह बुन्देला "भगत राजा", श्री	ललितपुर
वीरेश्वर, श्री	अलीगढ़
शचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री	सन्त रविदासनगर, भदोही
शब्बीर, श्री	बहराइच
शमीमुल हक, श्री	मुरादाबाद
शरदवीर सिंह, श्री	शाहजहांपुर
शहजिल इस्लाम, श्री	बरेली
शाकिर अली, श्री	देवरिया
शारदा देवी, श्रीमती	गोरखपुर
शारदा नन्द अंचल, श्री	बलिया
शारदा प्रसाद,श्री	चन्दौली
शाहिद मंजूर, श्री	मेरठ
शिव कुमार बेरिया, श्री	कानपुर देहात
शिव चरन प्रजापति, श्री	हमीरपुर
शिव तपस्या पासवान, श्री	चन्दौली
शिव पाल सिंह यादव, श्री	इटावा
शिव प्रताप यादव, डा0	बलरामपुर
शिवाकान्त ओझा, प्रोफेसर	प्रतापगढ़
शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री	महराजगंज
शिशुपाल सिंह यादव, श्री	एटा
शैलेन्द्र यादव "ललई", श्री	जौनपुर
श्याम सिंह अहेरिया, श्री	मथुरा
श्यामदेव राय चौधरी, श्री	वाराणसी
श्याम प्रकाश, श्री	हरदोई

उत्तर प्रदेश विधान सभा

श्याम लाल रावत, श्री	सीतापुर
श्याम सुन्दर शर्मा, श्री	मथुरा
श्रद्धा यादव, श्रीमती	जौनपुर
श्रीराम भारती, श्री	मिर्जापुर
संजय गर्ग, श्री	सहारनपुर
संजीव दरियाबादी, श्री	कानपुर नगर
संदीप अग्रवाल, श्री	मुरादाबाद
सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर
सन्नो देवी, श्रीमती	सहारनपुर
सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री	मेरठ
सदल प्रसाद, श्री	गोरखपुर
सन्ध्या कठेरिया, कु0	मैनपुरी
समरपाल सिंह, श्री	बागपत
सलिल विश्नोई, श्री	कानपुर नगर
सिद्ध गोपाल साहू, श्री	महोबा
सियाराम सागर, डा0	बरेली
सीताराम निषाद, श्री	फैजाबाद
सुखदेव राजभर, श्री	आजमगढ़
सुखदेवी वर्मा, श्रीमती	इटावा
सुन्दर लाल, श्री	उन्नाव
सुन्दर सिंह, श्री	बुलन्दशहर
सुरेन्द्र कुमार मुन्नी, श्री	गाजियाबाद
सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	जौनपुर
सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री	रायबरेली
सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी
सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर
सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री	लखनऊ
सुल्तान बेग, श्री	बरेली
सुशील चौधरी, डा0	सहारनपुर
सोमारू राम सरोज, श्री	जौनपुर
सोवरन सिंह, श्री	मैनपुरी
स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	रायबरेली
हरि प्रताप सिंह, श्री	प्रतापगढ़
हरि शंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर
हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी", श्री	वाराणसी
हीरा लाल गौतम, श्री	आजमगढ़
हुकुम सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
होशियार सिंह, श्री	बुलन्दशहर

नोट :-बेसिक शिक्षा, राज्य मंत्री (श्री अजीत कुमार राजू) भी सदन में उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राष्ट्रीय-गीत

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।।

सुजलाम्।

सुफलाम्।।

मलयज शीतलाम्।

शस्य श्यामलाम्।

मातरम्। वन्दे मातरम्।।

शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्

फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्

सुहासिनीम्

सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम्

वरदाम्

मातरम्। वन्दे मातरम्।।

श्री राज्यपाल के अभिभाषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष श्री टी0वी0 राजेस्वर, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश का अभिभाषण होगा।

(भारतीय जनता पार्टी तथा बहुजन समाज पार्टी के कई माननीय सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर अपनी-अपनी बात कहने का प्रयास करने लगे जिससे सदन में घोर व्यवधान हो गया, इस बीच भारतीय जनता पार्टी के सदस्य श्री मुंशी लाल गौतम, डा0 अरुण कुमार मेहरोत्रा तथा श्री सतीश महाना सदन के वेल में आकर अपनी बात कहने लगे तथा बहुजन समाज पार्टी के कुछ माननीय सदस्यों ने महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण की प्रतियों को फाड़कर सदन के वेल में फेंक दिया और विरोध करते हुए श्री स्वामी प्रसाद मौर्य बहुजन समाज पार्टी के सभी माननीय सदस्यों सहित सदन का बहिष्कार कर गये)।

माननीय सदस्यगण,

उत्तर प्रदेश के वर्ष 2007 के विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के प्रथम सत्र के लिए आहूत इस अधिवेशन में नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ आप सभी का हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन करता हूं।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

मेरी हार्दिक कामना है कि प्रदेश के समस्त नागरिकों और आप सभी के लिए यह वर्ष सुख, समृद्धि, विकास, लोक कल्याण और खुशहाली का एक नया अध्याय सिद्ध हो।

[नियति के कठोर हाथों ने नया सत्र आरम्भ होने से पहले ही हमारे मूल्यवान विधान परिषद् सदस्य श्री श्याम नारायण सिंह व श्री विक्रमादित्य पाण्डेय एवं विधान सभा सदस्य श्री हाजी मुश्ताक सोलंकी व श्री राम स्वरूप सिंह को हमसे छीन लिया है। मैं उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

कानून व्यवस्था

आप सभी जानते हैं कि विगत लगभग साढ़े तीन वर्ष में मेरी सरकार ने अत्यन्त विपरीत परिस्थितियों में संविधान की महान परम्पराओं, सार्वजनिक जीवन के मान्य नैतिक मूल्यों, प्रदेश में लोकतांत्रिक व्यवस्था, साम्प्रदायिक सौहार्द और प्रदेश के नागरिकों के बीच भाईचारे की भावना विकसित करने में सफलता पाई है। लोकतांत्रिक परम्पराओं का पूरा निर्वाह करते हुए जाति, धर्म तथा वर्ग के भेद से ऊपर उठकर राज्य के सर्वांगीण विकास, सभी नागरिकों के जीवन में अमन-चैन, खुशहाली लाने तथा प्रदेश के त्वरित गति से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाने का भरसक और ईमानदार प्रयास किया है। मेरी सरकार के इन कार्यों से समाज के सभी वर्गों और जातियों के लोगों को अभूतपूर्व लाभ पहुंचा है।

केन्द्रीय सरकार की एजेन्सियां और भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने इन तथ्यों को स्वीकार किया है। विगत वर्षों के मुकाबले डकैती, फिरौती, अपहरण, रोड होल्डअप, बल्वा आदि कारनामों में सकारात्मक कमी आई है, भारत सरकार के ही अनुसार उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक साम्प्रदायिकता की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है किन्तु मेरी सरकार के समय में साम्प्रदायिक झगड़े इतिहास के विषय बन गये। दो तीन कस्बों और शहर को छोड़कर साम्प्रदायिक झगड़ों का सफाया कर पूरे राज्य में साम्प्रदायिक सौहार्द का ऐसा वातावरण कभी नहीं था। हमारे प्रदेश के पुलिस प्रशासन ने दस्यु उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। चम्बल की वादियों, गंगा-जमुना की तलहटियों में दशकों से पनाह पा रहे कुख्यात डाकू गिरोहों का समूल विनाश कर दिया गया है। वर्षों से जिन डाकू गिरोहों पर ईनाम थे, उन सभी सरगनाओं का सफाया मेरी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में है।

मेरी सरकार ने पुलिस तंत्र को आधुनिक बनाकर पुलिस बल की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि कर कानून व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने में सफलता पाई है। अपराधी गिरोहों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही में अपना कीर्तिमान पूरे देश में स्थापित करने वाले एस0टी0एफ0 फोर्स को और भी मजबूत साधन सम्पन्न बनाने में मेरी सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है, फिर भी पुलिस प्रशासन को और भी सुधारने की जरूरत है। इसीलिए मेरी सरकार ने पुलिस सुधार के लिए पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक आयोग नियुक्त कर दिया है। इस कमीशन की संस्तुतियां 6 महीने के भीतर प्राप्त होने के बाद पुलिस कानूनों में संशोधन कर पुलिस व्यवस्था में सुधार का महत्वपूर्ण कार्य किया जायेगा।

नोट :- [ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

माननीय सदस्यगण, नक्सलवाद मेरी व्यवस्था को चुनौती है। सामाजिक विषमता, आर्थिक दरिद्रता, बेरोजगारी के गर्भ से नक्सलवाद का जन्म हुआ। हमारे सामंती समाज की विकृत मानसिकता ने इस विचारधारा के संगठन को पांव पसारने का अवसर दिया। पड़ोसी नेपाल से मेरी लम्बी सीमा मिलती है, जो देश नक्सलवाद के गोदाम के रूप में विकसित हो रहा है, फिर भी मेरी सरकार की कार्यकुशलता इन सभी प्रभावित क्षेत्रों को विकास से जोड़ना, नक्सलवादी विचारधारा को विकास से काटने की प्रक्रिया, बेरोजगारी, गरीबी के उन्मूलन के सार्थक प्रयासों से देश के अन्य राज्यों के मुकाबले हमारे राज्य में नक्सलवादी गतिविधियां शून्य के स्तर पर पहुंच चुकी हैं।

मुझे खुशी है कि मेरी सरकार ने आतंकवादी घटनाओं पर त्वरित और सफल कार्यवाही करने में सफलता प्राप्त की है। वाराणसी और अयोध्या के धार्मिक स्थलों पर आतंकवादी कार्यवाहियां महज साम्प्रदायिक झगड़े खड़ा करने के लिए की गईं। हमारे रक्षा बलों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर जिस तरह तुरन्त उन आतंकवादी घटनाओं पर काबू पा लिया उसकी सराहना विश्व के अन्य देशों ने भी हुई।

विगत वर्ष के समापन वाले सप्ताह में नोएडा के निठारी गांव की हृदय विदारक गैर इंसानी घटना का खुलासा हुआ। यह रहस्य फिर उद्घाटित हुआ कि मनुष्य का राक्षसी रूप भी है। निठारी में निर्दोष बच्चों की चंद स्वार्थों की पूर्ति के लिए जघन्य हत्याएं मानवता और सभ्यता को कलंकित करती हैं। हमें उस घटना पर खेद है फिर भी मेरी सरकार ने उस घटना पर संवेदनशीलता के साथ निर्दोषपूर्ण ढंग से पीड़ित परिवारों के साथ अपनी संवेदना को एकाकार किया। पीड़ित परिवारों के जख्म आसानी से भरे नहीं जा सकते क्योंकि वह तो इंसानियत पर किया गया गत वर्ष का सबसे बड़ा घाव है फिर भी मेरी सरकार ने उन परिवारों के कष्ट में अपने को साझीदार बनाकर न केवल उनकी आर्थिक सहायता की अपितु उन्हें वहां का स्थाई निवासी बनाने के लिए भूमि भी मुहैया कराया। मेरी सरकार इस तरह के मानवीय सवालों पर समय से और मुस्तैदी के साथ खड़ी होती है।

किसान हित

मेरी सरकार ने कार्यभार शुरू करने के साथ ही गन्ना किसानों को वर्षों से लम्बित पड़ा लगभग रु0 1789 करोड़ का रिकार्ड समय में भुगतान कराया। निजी और सरकारी क्षेत्रों की चीनी मिलों को समय पर और पूरी क्षमता से चलवाया, नतीजा हुआ कि मिलों ने प्रदेश के गन्ना काश्तकारों को सरकार द्वारा तय मूल्य भी समय-सीमा के भीतर भुगतान किया। जबकि इसके पूर्व प्रदेश के गन्ना काश्तकार अपने निर्धारित मूल्य के भुगतान के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में वाद दाखिल कर दौड़ लगाते रहते थे और तय मूल्य न तो मिलता था न मूल्य लाभकारी होता था। किन्तु पेराई सत्र 2005-06 में गन्ना काश्तकारों को 6899.91 करोड़ रुपये का रिकार्ड भुगतान हुआ। मेरी सरकार के कार्यकाल में 21,137 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान हुआ जिससे उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित कर देश का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य बन गया। भारत सरकार ने तो मात्र 75 पैसे प्रति क्विन्टल गन्ना मूल्य में वृद्धि की थी। किन्तु मेरी सरकार ने 10 रु0 की वृद्धि कर [illegible]

के गन्ना काश्तकारों में नये उत्साह का संचार किया है, जिससे चीनी उत्पादन में देश में उत्तर प्रदेश का स्थान बने रहने की पूरी संभावना है। प्रदेश के गन्ना काश्तकारों की खुशहाली ने उत्तर प्रदेश को इस बात का गौरव प्रदान किया है कि इतने बड़े प्रदेश मे किसी भी काश्तकार के आत्महत्या की कोई घटना प्रकाश में नहीं आयी जबकि देश के विकसित राज्यों की कतार में खड़े राज्यों के लिए यह आम बात हो गयी है। मेरी सरकार की गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग की सफल नीति का परिणाम है कि निजी क्षेत्र के बड़े औद्योगिक घरानों ने उत्तर प्रदेश में बड़ी क्षमता की 28 नई चीनी मिलें स्थापित की गई हैं जिससे गन्ना विकास के क्षेत्र में गन्ना काश्तकारों को अपनी आमदनी बढ़ाने के सारे अवसर खुल गये हैं। मेरी सरकार के सफल गन्ना नीति का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश इस वर्ष देश का अल्कोहल उत्पादन में अग्रणी राज्य बन जायेगा और प्रदेश के बदहाल किसानों की जिन्दगी में तरक्की के सभी फाटक अपने आप खुल जायेंगे।

मेरी सरकार ने कृषि में महत्वपूर्ण पहल की है, हमने चार प्रतिशत कृषि विकास दर को प्राप्त करने के संकल्प के साथ ही प्रदेश की नई कृषि नीति को लागू किया है, जिसमें कृषि के क्षेत्र में सप्त क्रान्ति पर आधारित मौलिक कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया गया है। माननीय सदस्यगण, यह जानकर आपको प्रसन्नता होगी कि राष्ट्रीय खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश द्वारा 21 प्रतिशत योगदान किया जा रहा है, जिसमें गेहूं का उत्पादन राष्ट्रीय उत्पादन का लगभग 35 प्रतिशत है तथा प्रदेश का राष्ट्र में प्रथम स्थान है।

मेरी सरकार द्वारा पहली बार 15 दिसम्बर तक कृषकों की सहभागिता से 27344 कि0मी0 नहरों की सिल्ट सफाई तथा 74600 नये बैडबारों का निर्माण कर, रोस्टर के अनुसार 6631 नहरों की टेलों पर पानी पहुंचाकर सिंचाई सुनिश्चित की गयी है, जिन क्षेत्रों में नहरों से सिंचन सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां 1013 नये राजकीय नलकूपों की स्थापना की जा रही है।

मेरी सरकार ने प्रदेश में पूर्ण सहकारिता प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए वैद्यनाथन समिति की संस्तुतियों पर आधारित सहमति ज्ञापन-पत्र पर हस्ताक्षर किया है। इससे समस्त पैक्स, जिला सहकारी बैंक एवं उत्तर प्रदेश सहकारी बैंक हेतु हानियों की भरपाई एवं सुदृढ़ करने के लिए रु0 2392 करोड़ उपलब्ध कराया जायेगा।

बेरोजगारी भत्ता

इसके अतिरिक्त मेरी सरकार ने हर जाति और वर्ग के सभी स्नातक और स्नातकोत्तर बेरोजगारों को अप्रैल, 2006 से 500 रु0 प्रतिमाह का बेरोजगारी भत्ता देने के फैसलें को चरणबद्ध रूप से क्रियान्वित किया है, जिससे अब तक लगभग 5.50 लाख बेरोजगार लाभान्वित हुए हैं। माननीय सदस्यगण आप सहमत ही होंगे कि लोगों को रोजी-रोटी मुहैय्या कराने का एक लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व यदि पूरा नहीं होता तो जब तक लोगों को स्थाई रोजगार मुहैय्या न कराया जा सके, तब तक उन्हें बेरोजगारी भत्ते के माध्यम से मदद देना उचित ही है।

शिक्षा

शिक्षा को मेरी सरकार ने जन जागरण और समाज की खुशहाली का एक महत्वपूर्ण आधार माना है। इसी उद्देश्य से मेरी सरकार द्वारा सर्वशिक्षा अभियान में स्कूल और विद्यालयों में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्तियां की गईं। कक्षा 12 तक सभी बच्चों के लिए निःशुल्क पढ़ाई और बी0ए0 तक छात्राओं के लिए निःशुल्क शिक्षा की भी व्यवस्था की गई। बेसिक शिक्षा परिषद् के स्कूलों में कक्षा 8 तक के सभी वर्गों एवं जातियों के 2.30 करोड़ बालक/बालिकाओं को मुफ्त पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई तथा प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में पहली बार 80 लाख बालिकाओं को मुफ्त यूनीफार्म प्रदान की गयीं। इसके साथ ही मेरी सरकार द्वारा एक लाख प्राथमिक विद्यालयों में 1.86 करोड़ बच्चों को प्रतिदिन गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

माननीय सदस्यगण, आपको यह जानकर हर्ष होगा कि मेरी सरकार उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन 30 प्राथमिक विद्यालयों के भवनों का निर्माण करा रही है। शिक्षण संस्थाएं आर्थिक तंगी से बन्द न हों और उनके संचालन में दिक्कत न आये, इस उद्देश्य से मेरी सरकार ने प्रदेश में आठ साल के लम्बे अन्तराल के बाद पहली बार एक साथ 1000 जुनियर हाईस्कूलों को अनुदान सूची में सम्मिलित किया। यह एक ऐसा कदम था, जिससे उत्तर प्रदेश के 11 हजार शिक्षक/कर्मचारी भी सीधे लाभान्वित हुए और उन्हें राजकोष से नियमित वेतन मिलेगा।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार के लोक कल्याणकारी निर्णयों में बालिकाओं की उच्च शिक्षा के प्रबन्ध के फैसलों को पूरे विश्व में सराहा गया है। कन्याओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने के लिए मेरी सरकार ने वर्ष 2004-05 में कन्या विद्याधन योजना शुरू की। इस योजना में 35 हजार रु0 तक वार्षिक आय वाले परिवारों की इण्टर पास बालिकाओं तथा आलिया तालीम हासिल मुस्लिम बालिकाओं को शामिल किया गया। अब तक 5.50 लाख इण्टर पास छात्राओं को 20 हजार रु0 प्रति छात्रा के हिसाब से 1100 करोड़ रु0 के चेक बांटे जा चुके हैं। माननीय सदस्यगण को यह जानकर हर्ष होगा कि अनुसूचित जाति तथा पिछड़ी जाति के सभी छात्रों को छात्रवृत्ति देने के साथ ही गरीब सवर्ण छात्रों को भी वजीफा देने की मेरी सरकार ने ही पहल की। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मेरी सरकार ने अनिवासी भारतीयों सहित निजी क्षेत्र का भी योगदान प्राप्त किया और इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में एमिटी विश्वविद्यालय, इंटीग्रल विश्वविद्यालय तथा मंगलायतन विश्वविद्यालय की स्थापना का कार्य हुआ है। उर्दू, अरबी और फारसी भाषा में रुचि रखने वाले व्यक्तियों की सुविधा के लिए उच्चतर अध्ययन और अनुसंधान क्षेत्र में कमी को पूरा करने के उद्देश्य से मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना रामपुर में की जा रही है।

मेरी सरकार ने अशासकीय सहायता प्राप्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में निश्चित मानदेय के आधार पर नियुक्त शिक्षकों के मानदेय की दरों में वृद्धि करते हुए 8000 रु0 मासिक किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

शिक्षा और स्वास्थ्य किसी देश की तरक्की के मूलमंत्र हैं। शिक्षा से जागरूकता और स्वास्थ्य से काम की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। इन दोनों बुनियादी सुविधाओं का इन्तजाम लोक कल्याणकारी राज्य का प्रथम कर्तव्य है। मेरी सरकार ने इसे पूरा किया है। माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने लोक कल्याण के कुछ ऐसे निर्णय भी लिये हैं, जिनसे आम आदमी को अपनी दुःख तकलीफ में बेहद राहत मिली है। उत्तर प्रदेश में पहले से ही अस्पतालों की पर्ची का शुल्क आठ रु0 चला आ रहा था, जो गरीबों के लिए असहनीय था। मेरी सरकार ने उसे घटाकर एक रुपया कर दिया और गरीबों के लिए जनरल वार्ड के बेड निःशुल्क कर दिये गये। माननीय सदस्यगण, स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सबको अच्छी तरह मिल सके, इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के बजट में मेरी सरकार ने 55 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इस वित्तीय वर्ष में 756 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये। जबकि विगत वर्ष यह धनराशि केवल 488 करोड़ रुपये थी। इसी में गरीब वर्ग के लोगों के लिए दवा खरीद मद में मेरी सरकार द्वारा 188 करोड़ रुपये की धनराशि का भी प्राविधान किया गया।

आधुनिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदेश के हर क्षेत्र को समान रूप से मिल सके, इस पर भी मेरी सरकार ने काफी ध्यान दिया है। उत्तर प्रदेश के वंचित क्षेत्रों में सात जिला स्तरीय नये संयुक्त चिकित्सालयों की स्थापना का काम शुरू हो चुका है। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए 1220 चिकित्सकों का नियमित चयन किया गया है तथा 937 चिकित्सकों की संविदा पर भर्ती की जा चुकी है। मेरी सरकार ने जनहित के छोटे से छोटे मुद्दे पर ध्यान दिया है। इसके अतिरिक्त मेरी सरकार द्वारा इस वर्ष 100 व 200 शैय्या युक्त 15 जिलों में संयुक्त चिकित्सालयों का निर्माण कराया गया। प्रदेश में 200 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा 541 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की भवन सहित स्थापना की जा रही है।

माननीय सदस्यगण, जनता को प्रभावित करने वाली किसी भी मुद्दे पर मेरी सरकार की संवेदनशीलता का स्तर उत्कृष्ट रहा है। दिमागी बुखार जापानीज इन्सेफ्लाइटिस (जे0ई0) का प्रकोप प्रदेश के पूर्वी जिलों में होते ही मेरी सरकार ने प्रभावी नियंत्रण हेतु कार्य योजना बनाकर काम शुरू किया तथा सात सर्वाधिक संवेदनशील जिलों में जे0ई0 से बचाव हेतु एक से पन्द्रह साल तक के बच्चों को लगभग 70 लाख टीके लगवाये। इसके अतिरिक्त पोलियो उन्मूलन को मेरी सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकताओं पर रखा।

माननीय सदस्यगण, चिकित्सा और स्वास्थ्य का मामला केवल अस्पतालों में इलाज और सुविधाओं के विस्तार तक ही सीमित नहीं है। मेरी सरकार का मानना है कि पर्याप्त संख्या में नये और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों में दक्ष चिकित्सकों की व्यवस्था के बिना चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार नहीं किया जा सकता। इसके लिए मेरी सरकार ने प्रदेश में 4 नये मेडिकल कालेज एवं एक पैरा मेडिकल कालेज की स्थापना की व्यवस्था की है, जिनका कार्य प्रगति के विभिन्न चरणों में है। इसके साथ ही मेरी सरकार ने राज्य में 40 नये पैरामेडिकल और चार डेंटल कालेज निजी क्षेत्र में स्थापित

करने की भी अनुमति दी है, इससे भविष्य में हमें चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी से कभी जूझना नहीं पड़ेगा और किसी एक मेडिकल कालेज पर मरीजों का दबाव नहीं बढ़ेगा। मेरी सरकार लखनऊ में किंग जार्ज दन्त विज्ञान कालेज को विश्वविद्यालय का दर्जा दे चुकी है और मेडिकल कालेजों में टिक्कू कमीशन की सिफारिशें लागू करके लगभग 286 शिक्षकों को लाभ भी दिला चुकी है।

सड़क एवं पुल

माननीय सदस्यगण, कानून व्यवस्था और सामाजिक क्षेत्र में उपलब्धियों के बाद जिस एक क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में मेरी सरकार को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है, वह पुल और सड़क निर्माण के ऐतिहासिक कार्य हैं। आप जानते ही होंगे कि आजादी के बाद 1952 से 2002 तक बड़ी नदियों जैसे गंगा, यमुना, घाघरा, बेतवा, शारदा, चम्बल, राप्ती, गोमती एवं रामगंगा आदि पर कुल 27 पुल बने थे, जबकि मेरी सरकार ने पिछले तीन सालों में बड़ी नदियों पर 46 पुल स्वीकृत किये, जिनमें सभी पुलों पर निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जायेगा। वर्ष 2003 से पहले के 10 वर्षों में कुल 355 पुल बनाये गये थे। माननीय सदस्यगण मात्र 3 साल में उत्तर प्रदेश में 361 पुलों का निर्माण हुआ है। मुझे यह कहते हुए संतोष है कि सड़कों एवं पुलों के निर्माण में सन् 1993 से मार्च, 2003 तक 10 सालों में जो कार्य हुए उससे अधिक कार्य मेरी सरकार के पिछले लगभग साढ़े तीन सालों में हुए। इस दौरान प्रदेश में 65 हजार कि0मी0 लम्बी सड़कों का नवनिर्माण, मरम्मत एवं चौड़ीकरण का काय किया गया। माननीय सदस्यगण, इन कार्यों की जनता ने भी खुलकर सराहना की है।

माननीय सदस्यगण, प्रदेश में मेरी सरकार द्वारा इस वर्ष 24000 कि0मी0 मार्ग के नवीनीकरण का कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा 1,27,166 किलोमीटर विभिन्न प्रकार के मार्गों का रख-रखाव होगा, जिसके लिए 2006-2007 में सड़कों और पुलों के नव-निर्माण, रख-रखाव, उच्चीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु 5406 करोड़ रुपये का प्राविधान किया जा चुका है।

मेरी सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास हेतु जिला चन्दौली, गाजीपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, मऊ, बलिया, देवरिया और कुशीनगर के लिए वर्ष 2005-06 के लिए एवं 2006-07 में 700 कि0मी0 लम्बाई की सड़कों हेतु 107 करोड़ रुपये की स्वीकृतियां निर्गत की हैं।

माननीय सदस्यगण, आपको जानकर प्रसन्न्ता होगी कि मेरी सरकार ने प्रदेश के पिछड़े पूर्वांचल तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देते हुए वर्ष 2006-07 में पूर्वांचल एवं बुन्देलखण्ड विकास निधि में आयोजनागत मद से 347 करोड़ रुपया और आयोजनेत्तर मद से 175 करोड़ रुपये की धनराशि की अलग से व्यवस्था की है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम ने 2005-06 में 152 सेतुओं का निर्माण कार्य पूरा कराया है। वर्ष 2006-07 में 397 करोड़ रुपये के प्राविधन से 151 सेतु बनाये जाने का लक्ष्य है। इससे सेतु और सड़क निर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की तस्वीर ही बदल जायेगी और माननीय सदस्यगण, यह प्रदेश एक ऐसे प्रांत के रूप में उभरेगा, जिसकी सड़कें और पुल अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता के होंगे।

बिजली

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मुझे यह बताते हुए अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बिजली की आपूर्ति 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ी है। चालू वित्तीय वर्ष में लगभग 139 मिलियन यूनिट प्रतिदिन औसत आपूर्ति की जा रही है। वर्ष 2006-07 में 163 मिलियन यूनिट की अधिकतम विद्युत आपूर्ति तथा 7100 मेगावाट तक की मांग पूरी करने का रिकार्ड कायम किया गया है। आगामी वर्षों में ग्रामीण क्षेत्र में 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति का प्रयास किया जायेगा।

मेरी सरकार द्वारा ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गई है। अक्टूबर, 2006 में शुरू की गई शत प्रतिशत ग्रामीण विद्युतीकरण की योजना में 30852 गांवों के विद्युतीकरण के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 18489 गांवों का विद्युतीकरण पूर्ण किया जा चुका है। ग्रामीण विद्युतीकरण के क्षेत्र में पूरे देश में कुल 22380 गांवों का विद्युतीकरण किया गया है जिसमें से 18489 गांव केवल उत्तर प्रदेश में विद्युतीकृत हुए हैं। इस प्रकार ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश ने अव्वल स्थान प्राप्त किया है।

मेरी सरकार द्वारा वर्तमान में विद्युत की कमी एवं भविष्य की आवश्यकता की पूर्ति के लिए नई परियोजनाओं की स्थापना एवं वर्तमान संयत्रों के कुशल उपयोग की दिशा में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं। मुझे बताते हुए हर्ष है कि वर्ष 2006-07 में पारीछा विस्तार योजना के अन्तर्गत 210 मेगावाट की एक इकाई से वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ हो गया है तथा 210 मेगावाट की क्षमता की दूसरी इकाई भी जनवरी, 2007 के अन्त तक विद्युत उत्पादन प्रारम्भ कर देगी। निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित 400 मेगावाट क्षमता की विष्णुप्रयाग जल विद्युत परियोजना की सभी इकाइयों से उत्पादन प्रारम्भ हो गया है। राज्य सरकार द्वारा राजकीय क्षेत्र में 2000 मेगावाट तथा निजी क्षेत्र में 2530 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं पर भी स्वीकृति प्रदान की गई जो अगले 4 वर्षों में पूरी हो जायेगी। जनपद इलाहाबाद एवं सोनभद्र में निजी/राजकीय क्षेत्र में 4000 मेगावाट क्षमता की 3 परियोजनाओं पर सैद्धान्तिक स्वीकृति भी दी गई है।

मेरी सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के विद्युत वितरण तंत्र में सुधार के लिए त्वरित ऊर्जा सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत गत 3 वर्षों में 29 शहरों में 1412 करोड़ की 35 योजनाएं प्रारम्भ की गई थीं जो चालू वित्तीय वर्ष के अन्त तक पूर्ण हो जायेंगी। 28 शहरों के लिए 541 करोड़ लागत की 28 योजनाएं केन्द्र सरकार से चालू वर्ष में स्वीकृत हुई हैं, जिन्हें प्रारम्भ किया जा रहा है। पारेषण तंत्र में अतिभारिता को समाप्त करने के लिए गत तीन वर्षों में विभिन्न क्षमता के 64 उपकेन्द्र पूर्ण किये गये हैं तथा पारेषण की 2074 सर्किट किलोमीटर की लाइनें भी पूरी की गई हैं। 33 के0वी0 क्षमता के उपकेन्द्रों में कुल 3936 एम0वी0ए0 की क्षमता वृद्धि की गई है।

औद्योगिक विकास

मा0 सदस्यगण, आप अवगत ही हैं कि मेरी सरकार ने भारतीय कारपोरेट जगत के अग्रणी उद्योगपतियों को प्रदेश के इतिहास में पहली बार एक मंच पर लाकर राज्य की खुशहाली तथा औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए उ0 प्र0 विकास परिषद् एवं औद्योगिक निवेश बोर्ड का गठन किया, जिसकी हर स्तर पर सराहना की गई। मेरी सरकार द्वारा उद्योगों के हित में लागू आकर्षक एवं व्यावहारिक नीतियों के फलस्वरूप विगत तीन वर्षों में राज्य में सर्वाधिक 82 हजार करोड़ रुपये से अधिक के औद्योगिक प्रस्ताव मिले, जो अपने आपमें एक कीर्तिमान है। इनमें से लगभग 8,000 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश से उत्तर प्रदेश में विभिन्न औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

वृहद उद्योग क्षेत्र के अन्तर्गत ग्रोथ सेंटर का विकास, विशेष आर्थिक क्षेत्रों का विकास तथा एग्रो पार्क के विकास जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा किए गये सतत् प्रयासों के फलस्वरूप दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन द्वारा नोयडा क्षेत्र को जोड़े जाने की परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे वर्ष 2010 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

अवस्थापना सुविधाओं के विकास में निजी पूंजी निवेश की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र निवेश नीति 2004 में रुपये 50 करोड़ प्रतिवर्ष की धनराशि से औद्योगिक अवस्थापना विकास कोष का गठन किया गया है।

नयी खनिज नीति 2004 के अन्तर्गत खनिज अन्वेषण में पूंजी निवेश और आधुनिक तकनीक को आमंत्रित करने के लिए विभिन्न निजी कम्पनियों को भी विनिवेश परमिट निर्गत किये गये हैं। प्रदेश में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस के भण्डारों का पता लगाने के लिए विभिन तेल कम्पनियों को पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन लाइसेन्स दिये गये हैं। नये अवसर स्वतः सृजित हुए हैं। आई0टी0 क्षेत्र में प्रदेश का नव विकसित शहर देश के आई0टी0 उद्योग के क्षेत्र में सबसे आगे बंगलौर के बाद दूसरे नम्बर पर नोएडा हो गया है। मेरी सरकार की औद्योगिक नीति से प्रभावित होकर देशी और विदेशी निवेशकों ने नोएडा में अच्छी पूंजी निवेश की है जिससे अनुमान है कि नोएडा बहुत शीघ्र देश का सबसे अग्रणी शहर होगा और उस शहर में एक लाख आईटी0 शिक्षा में सुयोग्य युवाओं को रोजगार मिलेगा।

माननीय सदस्यगण, हथकरघा उद्योग प्रदेश में सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाला विकेन्द्रीकृत कुटीर उद्योग है। उत्तर प्रदेश में लगभग 6.64 लाख बुनकर और 2.24 लाख करघे लगे हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2006-07 में मेरी सरकार ने 25 हजार बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा था, जिसके विपरीत दिसम्बर, 2006 तक मेरी सरकार 15,322 बुनकरों को रोजगार मुहैय्या करा चुकी है। सरकार बुनकरों को वर्तमान में थ्रिफ्ट फण्ड योजना, स्वास्थ्य बीमा योजना और महात्मा गांधी बुनकर बीमा योजना के अन्तर्गत लाभान्वित कर रही है। मेरी सरकार ने बुनकरों के लिए फ्लैट रेट पर बिजली के बिलों के भुगतान की नई व्यवस्था करते हुए उन्हें रियायती बिजली पासबुकें वितरित की हैं, जिससे तीन लाख से ज्यादा बुनकर परिवार लाभान्वित हुए हैं। माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार

ने हथकरघा बुनकरों, सहकारी समितियों एवं छीपी बुनकरों को दिये गये ऋणों पर 50 प्रतिशत ब्याज माफ कर दिया है।

परिवहन

मा0 सदस्यगण, मेरी सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को घाटे से उभरकर पहली बार पूरी तरह से लाभप्रद बनाया गया और आज इसका शुद्ध लाभ 39 करोड़ रु0 की अर्जित सीमा को भी पार कर चुका है। प्रदेश के परिवहन बेड़े में 743 नई बसें सम्मिलित की गई हैं। प्रदेश के विभिन्न शहरों में शताब्दी बस सेवायें भी शुरू की गईं। इस वर्ष परिवहन निगम ने लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद व आगरा में नगरीय बस सेवाएं प्रारम्भ की हैं। दिनांक 1 मार्च से कम किराये वाली वातानुकूलित शताब्दी बस सेवा भी प्रारम्भ की जा रही है। तीन महानगरों-लखनऊ, कानपुर व आगरा में सी0एन0जी0 बसें भी चलायी गई हैं। परिवहन विभाग द्वारा जनता की सुविधाओं की दृष्टि से इस वर्ष 39 जिला कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण पूर्ण कर लिया जायेगा।

नगर विकास

आधुनिक नगर विकास के क्षेत्र में भी मेरी सरकार ने अनेक कीर्तिमान बनाये हैं। प्रदेश में लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, इलाहाबाद एवं वाराणसी 6 शहरों को मेट्रो सिटी का दर्जा दिया गया है। मा0 सदस्यगण, आपको यह जानकर भी खुशी होगी कि उत्तर प्रदेश इस मामले में देश का पहला राज्य है, जहां एक साथ 6 नगरों को मेट्रो सिटी का दर्जा मिला है।

प्रदेश के नगरीय निकायों के निर्वाचन को निष्पक्षतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से कराया गया है तथा वर्तमान में सभी नगरीय निकायों के नवगठित बोर्ड अपने कर्तव्यों का निर्वहन सम्यक् रूप से कर रहे हैं। नगरीय निकायों को राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुसार रु0 1366 करोड़ की धनराशि आवंटित की गयी है। इसके अतिरिक्त अवस्थापना सुविधाओं के विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हेतु इस वर्ष 190 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल हेतु 71 नये नलकूप, 15433 नये हैण्डपम्प तथा 3950 हैण्डपम्पों के रिबोर के साथ ही 29 अवर जलाशय का निर्माण कराया गया है एवं 447 कि0मी0 पाइप लाइन बिछाई गई है। प्रदेश की नदियों-गंगा, यमुना एवं गोमती को प्रदूषण मुक्त किये जाने हेतु 49 करोड़ रु0 की धनराशि इस वर्ष स्वीकृत की गयी है।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण विश्व के सबसे बड़े अर्द्धकुंभ मेले हेतु सभी आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं की व्यवस्था की गयी है। इस कार्य के लिए 169 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। गरीबों एवं निर्बल वर्ग के कल्याण हेतु तहबाजारी समाप्त करके पटरी दुकानदारों के लिए फेरी नीति बनायी गयी है। मलिन बस्तियों में रहने वाले 8.29 लाख व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया है। शहरी निर्धनों को स्वरोजगार हेतु 10570 व्यक्तियों को ऋण एवं अनुदान उपलब्ध कराया गया है और 27250 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिलाया गया है। व्यक्तिगत दुर्घटना एवं

निजी रिक्शा क्षति पूर्ति की निःशुल्क बीमा योजना प्रारम्भ करके 2.35 लाख रिक्शा चालकों को लाभान्वित किया गया है।

मेरी सरकार द्वारा आवासिक क्षेत्र में निजी पूंजी निवेश के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त नये टाउनशिप के विकास हेतु 'हाइटेक टाउनशिप' विकास नीति घोषित की गयी है। इसके अन्तर्गत 1500-1500 एकड़ भूमि पर न्यूनतम् 1000 करोड़ रु0 निवेश होगा। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद, मथुरा तथा दादरी में कुल 10 टाउनशिप का चयन किया जा चुका है। इनके विकास के फलस्वरूप आगामी 5-7 वर्षों में लगभग 10000 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होगा तथा कुल 2.40 लाख आवासीय इकाइयों का सृजन होगा। छोटे एवं मध्यम आकार के नगरों में निजी पूंजी निवेश के माध्यम से 25 एकड़ से 500 एकड़ भूमि में नगर विकसित होंगे। इस नीति के तहत अब तक 67 विकासकर्ताओं का पंजीकरण हो चुका है और 15 लाइसेन्स जारी किये जा चुके हैं।

अल्पसंख्यक कल्याण

मा0 सदस्यगण, उर्दू शिक्षा और शिक्षकों के लिए भी मेरी सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। उर्दू प्रवीणतायुक्त सहायक शिक्षकों हेतु दो वर्षीय बी0टी0सी0 उर्दू विशेष प्रशिक्षण के लिए 6388 अभ्यर्थियों का चयन किया जा चुका है तथा 5000 अभ्यर्थियों के चयन की कार्यवाही गतिमान है। प्रशिक्षण उपरान्त इन अभ्यर्थियों को प्राथमिक विद्यालयों में उर्दू माध्यम से पढ़ाने हेतु सहायक अध्यापक के रूप में नियुक्त किया जायेगा।

आपको यह जानकर भी प्रसन्नता होगी कि इतिहास में पहली बार उत्तर प्रदेश में 67 मदरसे अनुदान सूची में लिये गये जिससे 1005 अध्यापक तथा कर्मचारीगण को रोजगार मिला। 100 मदरसों को अनुदान सूची पर लिया जा रहा है। साथ ही मेरी सरकार द्वारा 190 मदरसों में निःशुल्क कम्प्यूटर लगाये गये, जिनसे मदरसों की शिक्षा का स्तर बढ़ा है। मदरसा आधुनिकीकरण योजना में मेरी सरकार ने 683 मदरसों को लाभान्वित करने हेतु 4.92 करोड रु0 की धनराशि व्यय की है। सरकार ने विशेष प्रयास करके 1869 मदरसों में शिक्षकों के मानदेय हेतु 13.62 करोड़ रु0 की व्यवस्था की है। साथ ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में 11 बालिका इण्टर कालेज तथा 11 बालिका छात्रावासों का निर्माण तेजी से चल रहा है।

मा0 सदस्यगण, मेरी सरकार द्वारा विगत लगभग साढ़े तीन साल में अल्पसंख्यकों की 122 शिक्षण संस्थाओं को अल्पसंख्यक संस्था का दर्जा दिया गया तथा प्रदेश में फौकानिया स्तर तक मान्यता प्राप्त 140 मदरसों में मिनी आई0टी0आई0 भी खोले जा चुके हैं। मेरी सरकार इस योजना का विस्तार करते हुए अतिरिक्त 160 मदरसों में भी इसी तरह की मिनी आई0टी0आई0 खोलने जा रही है।

अल्पसंख्यकों को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए मदरसों में निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों एवं सरकारी सेवाओं में चयन हेतु कोचिंग संस्थान स्थापित किये गये हैं। मेरी सरकार ने सरकारी नौकरियों में अल्पसंख्यकों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उनकी शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए सुझाव देने हेतु एक आयोग का गठन भी किया है।

अल्पसंख्यकों के कल्याण के इन निर्णयों के अलावा मेरी सरकार द्वारा हज यात्रियों की सुविधा हेतु नोयडा व लखनऊ में हज हाउस स्थापित किये जा रहे हैं। साथ ही अल्पसंख्यकों द्वारा संचालित आधुनिकतम उच्च शिक्षा केन्द्रों के रूप में इन्टीग्रल विश्वविद्यालय तथा मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय स्थापित करने की भी कार्यवाही की गयी है, जिसका पूरे विश्व में स्वागत किया गया है।

व्यापारी हित

मा0 सदस्यगण, आप अवगत ही हैं कि जनभावनाओं को देखते हुए मेरी सरकार ने व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश में वैट लागू नहीं किया, जबकि एक या दो राज्यों को छोड़कर सारे देश में वैट लागू हो चुका है। इसके बावजूद मेरी सरकार ने तीन वर्ष में बिना वैट लगाये ही व्यापार कर प्राप्ति में 72 प्रतिशत वृद्धि करके एक राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया। मेरी सरकार ने व्यापारियों के उत्पीड़न पर प्रभावी अंकुश लगाया है। आप जानते ही हैं कि उत्तर प्रदेश में सुसंगत नियमों के तहत पंजीकृत प्रत्येक व्यापारी की दुर्घटना की स्थिति में मेरी सरकार द्वारा चार लाख रु0 के बीमे की व्यवस्था भी की गई है। सरकार ने व्यापारियों के व्यवसाय के पंजीकरण हेतु 15 हजार रु0 की जमानत देने की शर्त को समाप्त कर दिया है। कई वस्तुओं में व्यापारियों की सुविधा के लिए पहली बार समाधान योजना लागू किया गया है।

अधिवक्ता हित

मा0 सदस्यगण, मेरी सरकार द्वारा जनपद की दीवानी न्यायालय तथा कलक्ट्रेट एवं मण्डल पर मण्डल पर अधिवक्तागण हेतु चैम्बर्स का निर्माण कराया गया हैं तहसील स्तर एवं वाह्य न्यायालय पर अधिवक्तागण एवं वादकारियों के बैठने हेतु अधिवक्ता हाल का निर्माण कराया गया तथा वकीलों के लिए पुस्तकालय एवं वाचनालय के लिए धनराशि की व्यवस्था की गयी है और अधिवक्ता कल्याण कोष की भी व्यवस्था की गयी है।

मेरी सरकार ने उत्कृष्ट विधि शिक्षा हेतु लखनऊ में राष्ट्रीय स्तर के डा0 राममनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय की स्थापना करायी है। प्रदेश, न्यायिक अधिकारियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए शेट्टी कमीशन की सिफारिशों को लागू करने के मामले में देश का पहला राज्य है।

अधीनस्थ न्यायालयों के समक्ष शासन द्वारा आबद्ध किये गये शासकीय अधिवक्ताओं की रिटेनरशिप, ड्राफ्टिंग, बहस एवं पुस्तकालय तथा स्टेशनरी भत्ता की दरों में वृद्धि की गयी है। प्रत्येक जनपद में अधीनस्थ न्यायालयों के समक्ष शासन का पक्ष प्रस्तुत करने हेतु शासकीय अधिवक्ताओं को

एक कम्प्यूटर दिये जाने का निर्णय लिया गया है। मा0 उच्च न्यायालय के मा0 न्यायमूर्तिगण के शासकीय आवासों के लिए एक-एक अतिरिक्त कम्प्यूटर दिये गये हैं। मा0 उच्चतम् न्यायालय एवं मा0 उच्च न्यायालय के मा0 न्यायमूर्तिगण के ठहरने हेतु जनपद न्यायालय परिसर मथुरा में निर्मित अतिथिगृह की साज-सज्जा हेतु उच्च विशिष्टियों के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है।

लोकतन्त्र का सम्मान

मा0 सदस्यगण, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को वर्तमान में रु0 4500 की धनराशि प्रतिमाह पेंशन के रूप में दी जा रही है। मेरी सरकार द्वारा सत्याग्रह आन्दोलन के 100 वर्ष पूरे होने पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके आश्रितों को मिलने वाली पेंशन की धनराशि में रु0 500 प्रतिमाह की वृद्धि की गई है। दिवंगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को अन्तिम संस्कार हेतु दिये जा रहे रु0 2000 शासकीय अनुदान को बढ़ाकर रु0 5000 किया गया है। मेरी सरकार द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एक सहचर सहित पूरे प्रदेश में रोडवेज की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा अनुमन्य कराई गई है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के दिवंगत होने पर उनकी विधवाओं को भी निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रदेश के वृद्ध एवं निराश्रित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को आवासीय एवं भोजन की सुविधा प्रदान किये जाने हेतु लखनऊ तथा मथुरा में सेवा सदन स्थापित है। आपातकालीन अवधि में मीसा/डी0आई0आर0 में निरुद्ध प्रदेश के राजनैतिक बन्दियों को रु0 500 प्रतिमाह की दर से अनुमन्य कराई गई है। उक्त राजनैतिक बन्दियों को लोकतंत्र सम्मान पत्र से सम्मानित किये जाने के साथ ही एक संयोगी सहित रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा एवं राज्य के चिकित्सालयों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा अनुमन्य कराई गई है।

महिला कल्याण

मेरी सरकार ने महिलाओं के विकास और उनकी खुशहाली के लिए उत्तर प्रदेश महिला नीति की घोषणा की है और बाल एवं महिला विकास के कार्यक्रमों को सभी जिलों में लागू किया गया है। मेरी सरकार ने सभी वर्गों के पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित पात्र महिलाओं को पेंशन देने की व्यवस्था भी की है और समाज के गरीब तबके की महिलाओं को 250 करोड़ रु0 की धनराशि से दो-दो साड़ी देने की योजना भी बनायी है, जिसे जल्दी ही मूर्तरूप दिया जायेगा।

मा0 सदस्यगण, आप जानते ही हैं कि मेरी सरकार से पहले गरीब कन्याओं के विवाह के लिए अनुदान की व्यवस्था कुछ जातियों तक ही सीमित थी, परन्तु अब उत्तर प्रदेश में सभी जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर/गरीब परिवारों की अधिकतम् दो कन्याओं की शादी के लिए 10 हजार रु0 प्रत्येक कन्या के लिए अनुदान की व्यवस्था की गयी है।

बाल विकास एवं पुष्टाहार योजना के अन्तर्गत पहले से स्थापित 1,25000 आंगनबाड़ी केन्द्रों के अतिरिक्त 13,170 केन्द्र और स्थापित किये जा रहे हैं। सरकार ने 6 माह से 6 वर्ष तक के सभी बच्चों के साथ ही साथ सभी गर्भवती/धानी महिलाओं को पोषाहार उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है ? जिसके फलस्वरूप लाभार्थियों की संख्या एक करोड़ से बढ़कर 2.30 करोड़ होने जा रही है।

पेन्शन योजना

मा0 सदस्यगण मेरी सरकार ने वृद्धावस्था और किसान पेंशन के अन्तर्गत शत-प्रतिशत लाभार्थि-.. को लाभान्वित करने का निर्णय लिया है। किसान और वृद्धावस्था पेंशन का दायरा 12 लाख लाभार्थियों से बढ़ाकर लगभग 20 लाख कर दिया है तथा इसी तरह विधवा एवं विकलांग पेंशन के लाभार्थियों की संख्या में भी अभूतपूर्व वृद्धि की गयी। प्रत्येक प्रकार की पेंशन की मासिक धनराशि 125 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रतिमाह कर दी गयी है। गरीबी की रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों के कमाऊ सदस्य की मृत्यु पर राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रभावित परिवार को देय राशि 10 हजार रुपये को मेरी सरकार ने बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दिया है।

आरक्षित वर्ग के अतिरिक्त अन्य वर्गों (सामान्य वर्ग) एवं पिछड़े वर्ग के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की पुत्रियों की शादी एवं इलाज हेतु भी आर्थिक सहायता अनुमन्य कर दी गयी है।

आरक्षित वर्ग के अतिरिक्त अन्य वर्गों (सामान्य वर्ग) के निर्धन अभिभावकों के आश्रित छात्रों को शिक्षा सत्र 2006-07 से अनुसूचित जाति की भांति उन्हीं शर्तों एवं दरों पर दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं अनिवार्य नान रिफण्डेबुल प्रवेश शुल्क प्रतिपूर्ति की सुविधा हेतु भी अनुमन्यता की गई है।

चालू वित्तीय वर्ष में सामान्य वर्ग के निर्धन छात्र/छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उत्कृष्ट श्रेणी के कोचिंग सेन्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिये जाने की योजना प्रारम्भ की गयी है।

अनुसूचित जाति एवं जन-जातियों के लिए संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में सामाजिक समरसता, बच्चों के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रीय भावना एवं पारस्परिक सौहार्द्य की दृष्टि से पिछड़ा वर्ग तथा अन्य वर्ग के निर्धन बच्चों को भी प्रवेश दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

श्रम

मा0 सदस्यगण, मेरी सरकार ने सेवायोजकों और श्रमिकों के बीच बेहतर माहौल बनाने के साथ ही श्रमिकों के हितों का भरपूर संरक्षण किया है। यही कारण है कि मेरी सरकार के कार्यकाल में पूरे प्रदेश में कहीं बड़े पैमाने पर हड़ताल, तालाबन्दी और कोई महत्वपूर्ण श्रमिक आन्दोलन होने की घटना नहीं हुई। मेरी सरकार ने फरवरी, 2006 में ही कुशल, अर्द्धकुशल एवं अकुशल श्रेणी के श्रमिकों

की न्यूनतम मजदूरी क्रमशः 3290 रु0, 2964 रु0 और 2600 रु0 प्रतिमाह पुनरीक्षित की, जिससे 10 लाख से अधिक श्रमिकों को फायदा पहुंचा। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के हित लाभ एवं स्वास्थ्य रक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करायी गयी।

वित्तीय अनुशासन

मा0 सदस्यगण, पिछले तीन वर्षों में न केवल अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाये गये, वरन् उनकी समय से व्यय की व्यवस्था भी की गई। वर्ष 2002-03 में योजना का आकार मात्र रु0 7250 करोड़ था और केवल रु0 6618 करोड़ का ही व्यय संभव हो सका था। वर्ष 2005-06 में योजना आकार बढ़ कर रु0 13500 करोड़ हुआ और लगभग दो दशक के बाद प्रदेश पूरी धनराशि जुटाने तथा रु0 13638.57 करोड़ समय से व्यय करने में भी सफल हो सका। वर्ष 2006-07 में योजना का आकार रु0 19000 करोड़ है और दिसम्बर माह तक रु0 12081.35 करोड का व्यय किया जा चुका है, जो लगभग 64 प्रतिशत है। गत वित्तीय वर्ष में इस अवधि में रु0 7174 करोड़ का व्यय किया जा सका था।

वर्ष 2004-05 में पूंजीगत परिव्यय 5653 करोड़ रु0 था जो वर्ष 2005-06 में बढ़कर 8711 करोड़ रुपये हो गया। वर्ष 2006-07 में पूंजीगत परिव्यय बढ़कर 14093 करोड़ रु0 अनुमानित है।

विगत तीन वर्षों से न केवल समय से वार्षिक योजना का निर्धारण किया जा रहा है वरन् वार्षिक बजट भी वित्तीय वर्ष से पूर्व स्वीकृत कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में ही वित्तीय स्वीकृतियां जारी हो रही हैं इस तरह वित्तीय अनुशासन कायम किया गया है। दसवीं पंचवर्षीय योजना में प्रदेश लगभग 6 प्रतिशत की विकास दर रहने का अनुमान है, जो नवीं पंचवर्षीय योजना से तीन गुना अधिक है।

प्रदेश के कर राजस्व की वसूली अत्यन्त उत्साहवर्द्धक है। वर्ष 2004-05 कर राजस्व में 18 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 16,051 करोड़ रु0 की धनराशि का राजस्व संग्रह किया गया था। वर्ष 2005-06 में 19,420 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया गया जो विगत वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2006-07 दिसम्बर माह तक 16,679 करोड़ रु0 का कर राजस्व प्राप्त कर लिया गया है जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व से 27.8 प्रतिशत अधिक है।

मेरी सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2006-07 में ही राजस्व घाटा समाप्त कर राजस्व बचत होने का अनुमान लगाया गया है जबकि उत्तर प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबन्ध अधिनियम 2004 के प्राविधानों के अनुसार वर्ष 2008-09 तक राजस्व घाटा शून्य करना था। इस प्रकार राजस्व घाटा लक्ष्य से दो वर्ष पूर्व ही समाप्त हो रहा है। राजकोषीय घाटा वर्ष 2004-05 में 12,998 करोड़ रुपये था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 5.5 प्रतिशत होता है। वर्ष 2005-06 में राजकोषीय घाटा 3.9 प्रतिशत आ गया है और 2006-07 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.8 प्रतिशत होने का अनुमान है।

मा0 सदस्यगण, मेरी सरकार ने अपने अब तक के कार्यकाल में सामान्य वार्षिक बजट भी, वित्तीय वर्ष समाप्ति से पहले ही सफलतापूर्वक पास कराया। निर्वाचन वर्ष को देखते हुए मेरी सरकार ने विधान सभा चुनावों से पहले राजकीय कार्य-संचालन के लिए समय से लेखा अनुदान भी पारित करा लिया है। इस महत्वपूर्ण कार्य में आप सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

मेरी सरकार के विकास कार्यक्रमों की विश्व बैंक समेत केन्द्रीय योजना आयोग एवं देश की विभिन्न राज्य सरकारों ने सराहना भी की है। दिल्ली में मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन में इस प्रदेश फास्टेस्ट मूवर की संज्ञा से विभूषित करते हुए महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा एवं निवेश के क्षेत्र में बेहतर वातावरण सृजन के लिए आपके मुख्य मंत्री को सम्मानित किया गया।

मा0 सदस्यगण, जनतांत्रिक व्यवस्था में आम जनता की समस्याओं और शिकायतों की सुनवाई और उनके त्वरित निराकरण के लिए मेरी सरकार पूर्णतः कटिबद्ध है। सरकार ने शासन के विभिन्न विभागों द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को प्रभावी ढंग से संवेदनशीलतापूर्वक निर्धारित समय-सीमा में उन्हें प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक विभाग में नागरिक चार्टर लागू कराने के निर्देश दिये हैं जिसके अन्तर्गत 54 विभागों के नागरिक चार्टर बन चुके हैं और इनमें से अधिकांश विभागीय वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्तर प्रदेश में मेरी सरकार ने मानवाधिकार आयोग के भवन की स्थापना के लिए अपने स्तर पर ही प्रयास किया है। पूरे प्रदेश में सूचना का अधिकार अधिनियम को लागू करने के साथ ही मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की जा चुकी है।

मा0 सदस्यगण, विधान मण्डल की इस बैठक में आप प्रदेश की कुछ ज्वलन्त समस्याओं पर विचार करेंगे। परम्परागत रूप में सरकार द्वारा प्रस्तुत कुछ आवश्यक विधेयकों पर चर्चा करके उन्हें पारित किया जायेगा। गैर सरकारी माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत ध्यानाकर्षण प्रस्तावों व लोक महत्व के विषयों पर चर्चा होगी।

माननीय सदस्यगण, मुझे विश्वास है कि प्रदेश की आम जनता के हित में आप सभी माननीय सदस्यगण मेरी सरकार का सहयोग कर सभी जनहित के प्रश्नों का, दलीय निष्ठाओं से ऊपर उठकर समाधान निकालेंगे और मेरी सरकार द्वारा इस देश के महानतम राज्य उत्तर प्रदेश को उत्तम और आदर्श प्रदेश बनाने के भगीरथ प्रयास में अपनी अपनी भूमिका का निर्वाह करेंगे। आज मेरी सरकार ने निरन्तर जनकल्याण के क्षेत्र में समर्पित सेवाभाव और सुविचारित नीतियों से उत्तर प्रदेश को एक ऐसी मंजिल पर पहुंचा दिया है, जहां से विकास और खुशहाली के तमाम रास्ते प्रशस्त होते हैं। मेरी अपेक्षा है कि प्रदेश को उत्तम ही नहीं सर्वोत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में मेरी सरकार द्वारा ही जा रही निष्ठावान प्रयासों को आपका भरपूर सहयोग मिलेगा। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं आप सबके स्वस्थ और सफल जीवन की कामना करते हुए आप सभी का धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे अपने बीच आने और मेरी सरकार के कार्य-कलाप प्रस्तुत करने का मौका दिया।]

जय हिन्द !

(सत्ता पक्ष की ओर से मेजों की थपथपाहट)

(मद संख्या-3 पुकारे जाने पर)

बसपा के सदस्यों द्वारा श्री राज्यपाल के अभिभाषण की प्रति फाड़े जाने की संसदीय कार्य मंत्री द्वारा निन्दा

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

बहुजन समाज पार्टी के सदस्यों ने बर्हिगमन किया बसपा के सदस्यों द्वारा श्री राज्यपाल के अभिभाषण की प्रति फाड़े जाने की संसदीय कार्य मंत्री द्वारा निन्दा है। महामहिम राज्यपाल पधारे सदन में और मिला हुआ सेशन था। यह विरोध महामहिम के सामने होना चाहिये था। महामहिम की गैरमौजूदगी में अभिभाषण का फाड़ा जाना बेमानी सी बात है हम इसकी निन्दा करना चाहते हैं और इसलिये भी निन्दा करना चाहते हैं कि लोकतंत्र में लोगों को अपना विरोध जताने का पूरा अधिकार है। बहुत से मामलात पर हमारा विरोध राजीतिक दलों से भी रहता है, केन्द्रीय सरकार से भी रहता है, औरों से भी रहता है लेकिन हर चीज के विरोध का अपना एक समय होता है, क्या हम इसका यह मतलब निकाल सकते हैं माननीय अध्यक्ष महोदय जी, कि जब महामहिम सदन में मौजूद थे या तो बहुजन समाज पार्टी की उस वक्त विरोध करने की हिम्मत नहीं हुयी या कोई ऐसा समझौता था जिसके तहत ऐसा नहीं किया गया, दोनों सूरतों में यह तरीका लोकतंत्र को न सिर्फ बदनाम करने वाला है बल्कि कमजोर करने वाला भी है। लिहाजा हमारा यह दायित्व होता है सरकार में रहते हुये भी और सदन का एक सदस्य होते हुए भी कि ऐसे मौके पर, जब इसका कोई मौका न हो, इस तरह का विरोध करने की निन्दा की जाय।

श्री राज्यपाल के अभिभाषण के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न

*जगदम्बिका पाल-

मान्यवर, संसदीय कार्य मंत्री जी ने जो बात कही है कदाचित् वह बात कुछ हद तक ठीक है कि महामहिम राज्यपाल के द्वारा अगर कोई अभिभाषण रखा गया है।

(विपक्ष के कई सदस्यों के बोलने से व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य कृपया शान्त रहें।

श्री जगदम्बिका पाल-

मान्यवर, आपने व्यवस्था के प्रश्न को उठाने का मौका दिया है, कृपया सुन लें। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के बाद जब महामहिम के द्वारा प्रस्तुत किये गये भाषण को आप फिर से पढ़ते हैं तो उस समय व्यवस्था का प्रश्न या आपत्तियां उठायी जाती हैं। मान्यवर, आपने

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मुझे व्यवस्था का प्रश्न उठाने की अनुमति दी इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आपने स्वयं देखा कि जिस समय श्री राज्यपाल आये और उन्होंने जो अभिभाषण प्रस्तुत किया, अभिभाषण प्रस्तुत करते समय सदन में इस तरह का शोरगुल था कि वह किसी के द्वारा सुना नहीं गया। मान्यवर, इस सदन की परम्परा रही है और आप जानते हैं कि अगर श्री राज्यपाल का अभिभाषण प्रस्तुत नहीं होगा तो उसको फिर से सदन के सामने आप प्रस्तुत करेंगे तो वह कदाचित सरकार की नीतियां नहीं होंगी। मान्यवर, हमारा व्यवस्था का प्रश्न है कि जब श्री राज्यपाल के द्वारा अभिभाषण प्रस्तुत ही नहीं हुआ तो पीठ से उस सरकार की नीतियों को फिर आप पढ़ते हैं। मान्यवर, इसमें आप यह व्यवस्था करायें कि कम से कम श्री राज्यपाल के द्वारा वह अभिभाषण प्रस्तुत किया जाए क्योंकि आपने मान्यवर, देखा कि वह आये और चले गये, इस पर आप कृपापूर्वक व्यवस्था दे दें, आप जो भी व्यवस्था दे देंगे हमारी पार्टी उसे स्वीकार करेगी लेकिन मान्यवर, श्री राज्यपाल के अभिभाषण का जो दस्तावेज था, उसकी अगर वह पहली लाइन भी पढ़ते या आखिरी लाइन पढ़ते तो कुछ वक्त जरूर लगता। मान्यवर, यह महत्वपूर्ण व्यवस्था का प्रश्न है कि राज्यपाल का अभिभाषण प्रस्तुत नहीं माना जाएगा इसलिए आप फिर से कोई समय मुकर्रर कर दें।

श्री अध्यक्ष-

आपकी बात आ गई, आप जो कहना चाहते थे आपकी पूरी बात आ गई, आप कृपया बैठ जाएं।

* श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि लोकतंत्र में इससे पहले भी ऐसा होता रहा है कि विपक्षी दल अपनी नीतियों के अनुरूप श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण का विरोध करते रहे हैं, यह कोई पहली बार नहीं हुआ है। लेकिन यह घटना पहली बार हुई जो पहले कभी नहीं हुई। मान्यवर, जब सदन में शोर होता है तो महामहिम राज्यपाल महोदय अभिभाषण की पहली पंक्ति पढ़ देते हैं और अन्तिम लाइन पढ़ देते हैं और अभिभाषण को पढ़ा हुआ मान लिया जाता है। मान्यवर, पिछले कुछ समय में ऐसी परिस्थितियां चल रही थीं, सरकार और महामहिम राज्यपाल के बीच में भारी तनाव चल रहा था, इन परिस्थितियों में मुझे पूरा विश्वास था कि श्री राज्यपाल इस अभिभाषण को नहीं पढ़ेंगे और अपनी बात कहना चाहेंगे और मान्यवर, उसी के अनुरूप उन्होंने इस अभिभाषण को पढ़ा ही नहीं, वह इसे पढ़ना ही नहीं चाहते थे। महामहिम राज्यपाल सदन में आये तो अपनी आत्मा की आवाज के अनुसार उन्होंने इसे देखा और सोचा कि मैं इसे कैसे पढ़ूं। इससे पहले वह बार-बार आलोचना कर चुके थे कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, बार-बार कह चुके थे कि यहां सारा का सारा पुलिस प्रशासन जातीयता के आधार पर, पक्षपात के आधार पर चल रहा है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

कृपया समाप्त करें, ऐसा नहीं है, मैं इस पर अपनी व्यवस्था दे दूं।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, यह पहला मौका है, जब किसी राज्यपाल ने सरकार के अभिभाषण को नहीं पढ़ा। वह सबके सामने आये और अभिभाषण का एक पेज भी नहीं पलटा, उसे देखा भी नहीं और रख करके चले गये, मान्यवर, वह इतनी वेदना में थे कि उन्होंने इस अभिभाषण को खोलना तक मुनासिब नहीं समझा। इसलिए मान्यवर, यह अभिभाषण कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनना चाहिए।

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, महामहिम राज्यपाल को यह अभिभाषण पहले ही मिल जाता है जाहिर है कि वही इसे तैयार करते हैं, स्वीकार करते हैं जो चीज उन्हें नापसन्द हो, उसे कम करते हैं जो बात उनकी जानकारी में न हो या गलत लिख दी गई हो, उसे वह कम करते हैं और उसी सहमति के साथ महामहिम सदन में पधारते हैं तो आये ही इसलिए थे, उसे पढ़कर, खुद तैयार किये हुए सरकार की नीतियों को ले करके सदन में आये थे और उन्होंने अभिभाषण के पहले पृष्ठ की पहली पंक्ति पढ़ी और अभिभाषण के पन्ने पलटकर देखा है तथा आखिरी पंक्ति पढ़ी है। महामहिम के लिए जो आये ही इस काम के लिए थे, उसी उद्देश्य को लेकरके सदन में पधारे थे, यह कहना कि उनकी जमीर ने इस बात के लिए गंवारा नहीं किया और इसलिए नहीं पढ़ा, यह महामहिम जैसे उच्च पद पर बैठे किसी व्यक्ति के लिए बहुत सम्मानजनक बात नहीं है और कहना भी सम्मानजनक नहीं है। क्योंकि महामहिम आये ही इस उद्देश्य से थे और उन्होंने उसे पूरा किया। कई बार ऐसा रहा है कि महामहिम ने पहले पृष्ठ की पहली पंक्ति व आखिरी पंक्ति पढ़ी है। यह जरूर है कि जिनकी समझ थोड़ी कम है या थोड़ा ऊंचा सुनते हैं वह नहीं सुन पाये होंगे वरना महामहिम जी जो बोले, वह हम सभी सुनें।

श्री केशरी नाथ त्रिपाठी-

माननीय अध्यक्ष महोदय, यद्यपि हमारा कहना है कि महामहिम राज्यपाल जी ने अपना अभिभाषण नहीं पढ़ा। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी का कहना है कि उन्होंने एक लाइन पढ़ी थी। अगर आप देखें तो उनके अभिभाषण की पहली लाइन में केवल स्वागत किया है और कुछ नहीं कहा है, केवल स्वागत कर लिया है। उन्होंने यह कहा है कि "उत्तर प्रदेश के वर्ष 2007 के विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों के प्रथम सत्र के लिए आहूत इस अधिवेशन में नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ आप सभी का हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन करता हूं।" यह अभिभाषण नहीं हुआ, यह तो केवल स्वागत कर लिया और अंत में शुभकामनायें दे दी। उन्होंने सरकार की क्रिया-कलाप के बारे में कुछ नहीं कहा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय पाल साहब, हुकुम सिंह, संसदीय कार्य मंत्री जी व श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी जो सुना। त्रिपाठी जी खुद यहां रहे हैं।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, दो जिम्मेदार व्यक्तियों ने दो बातें कही हैं, मा0 हुकुम सिंह जी और केशरी नाथ त्रिपाठी जी का यह कहना है कि अभिभाषण नहीं पढ़ा है। अगर आपकी बात मान लें कि केवल स्वागत किया और कुछ नहीं किया तो एक बात उनकी मानी जो कमजोर थी एक बात हमारी मानी, जो पहली पंक्ति थी वह भी सत्तादल की थी, इसे पूरी पंक्ति मान लें और कितना शुभ संकेत है कि महामहिम के पढ़े हुए स्वागत को श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी ने तस्दीक कर दिया, यह हमारे लिए सुखद है।

*श्री सतीश महाना-

महामहिम जी ने जो अभिभाषण प्रस्तुत किया है उसकी प्रति जो हमें विधान सभा सचिवालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी है उसके पहले पन्ने के ऊपर कुछ लिखा ही नहीं है। यह मैं आपके सामने प्रस्तुत कर रहा हूं। यह खाली पेज है। इससे स्पष्ट होता है कि महामहिम जी ने अभिभाषण पढ़ा ही नहीं है। यह मैं आपके पास भेज रहा हूं।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, असल में कुछ लोग सावन में अपनी आंखें खो देते हैं।

श्री अध्यक्ष-

यह कोई बहस का मुद्दा नहीं है। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी आसन ग्रहण करिये। इसके पूर्व में भी इस प्रकार की परम्परायें रही हैं, महामहिम राज्यपाल जी आते रहे हैं और अभिभाषण की पहली लाइन व अन्तिम लाइन पढ़ते थे और इसे पढ़ा हुआ माना जाना चाहिए। माननीय त्रिपाठी जी कई बार इस प्रकार का फैसला आया होगा कि यह पढ़ा हुआ माना जाए और इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

श्री मोहम्मद आजम खां-

अध्यक्ष जी, इनका विरोध दूसरा है। पढ़े नहीं पढ़े-का विरोध नहीं है उनका विरोध यह है कि उनको लिखा हुआ नहीं भेजा गया। सही है, उन्हें ऐसा ही भेजना था।

(मद संख्या-3 पुकारे जाने पर)

विगत सत्र में मंत्रि-मण्डल के सदस्य मा0 हाजी याकूब के सम्बन्ध में डा0 लक्ष्मीकान्त बाजपेयी द्वारा उठाये गये औचित्य के प्रश्न पर श्री अध्यक्ष द्वारा सुरक्षित व्यवस्था की मांग

डा0 लक्ष्मीकान्त बाजपेयी-

मान्यवर, मुझे सुन लें।

श्री अध्यक्ष-

मैंने मद संख्या-3 ले लिया है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

डा0 लक्ष्मीकान्त बाजपेयी-

मा0 अध्यक्ष जी, इसके पूर्व के सत्र में आपने व्यवस्था सुरक्षित रखी थी नियम 300 के प्रश्न के अन्तर्गत मंत्रि-मण्डल के सदस्य मा0 हाजी याकूब जी के सम्बन्ध में। आपने तारीख 11 को मेरे व्यवस्था के प्रश्न के सम्बन्ध में यह व्यवस्था दी थी कि 15 दिसम्बर को मैं इस व्यवस्था को दूंगा लेकिन अभी तक वह प्रतीक्षित है। आज आप उस पर व्यवस्था दे दें।

श्री अध्यक्ष-

इसी सत्र में आपकी व्यवस्था पर निर्णय आ जायेगा। ज्यादा प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी।

डा0 लक्ष्मीकान्त बाजपेयी-

मान्यवर, कृपा करके तिथि निर्धारित कर दें कि आप 24 तारीख को व्यवस्था अवश्य दे देंगे। 24 तारीख की कार्य सूची में वह आ जाये।

श्री अध्यक्ष-

माननीय बाजपेयी जी आप विद्वान सदस्य हैं। यह कार्य सूची में नहीं लाया जाता है। निर्णय को स्वाभाविक रूप से पढ़कर सुना दिया जाता है। यह सही है कि इसमें काफी विलम्ब हो गया है।

डा0 लक्ष्मीकान्त बाजपेयी-

अनिश्चित काल के स्थगन के पहले निर्णय दे देंगे।

श्री अध्यक्ष-

अनिश्चित कालीन नहीं रहेगा इसी सत्र में निर्णय दे देंगे।

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2006

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

माननीय अध्यक्ष, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2006 जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 15 दिसम्बर, 2006 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 15 दिसम्बर, 2006 को वापस प्राप्त हो गया।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2006

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

माननीय अध्यक्ष, मैं आपकी अनुमति से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2006 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 11 दिसम्बर, 2006 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 11 दिसम्बर, 2006 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 18 दिसम्बर, 2006 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2006 का उत्तर प्रदेश का चालीसवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश विनियोग (लेखानुदान) विधेयक, 2006

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश विनियोग (लेखानुदान) विधेयक, 2006 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 15 दिसम्बर, 2006 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी सिफारिश के दिनांक 15 दिसम्बर, 2006 को वापस प्राप्त हुआ था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 26 दिसम्बर, 2006 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2006 का उत्तर प्रदेश का इक्तालीसवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2006

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश उच्चतर सेवा आयोग (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2006 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 15 दिसम्बर, 2006 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 15 दिसम्बर, 2006 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 26 दिसम्बर, 2006 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 2006 का उत्तर प्रदेश का बयालीसवां अधिनियम बन गया।

कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिश विषय प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 17 व 18 जनवरी, 2007 की बैठकों में विधान सभा के दिनांक 18 जनवरी, 2007 से 31 जनवरी, 2007 तक के उपवेशनों के कार्यक्रम के सम्बन्ध में निम्नलिखित सिफारिशें की हैं :--

1-दिनांक 19, 20, 22 तथा 31 जनवरी, 2007 को सदन के उपवेशन न हों।

2-दिनांक 24 व 25 जनवरी, 2007 को नियम 56 व 311 के अन्तर्गत सूचनाएं न ली जायं।

3-दिनांक 24 जनवरी, 2007 को निधन के निर्देश अर्थात् निधन की सूचना ली जाय।

4-दिनांक 18 जनवरी, 2007 से दिनांक 31 जनवरी, 2007 तक का कार्यक्रम निम्नवत् रखा जाय :-

जनवरी, 2007

18 गुरुवार **1-11.30 बजे पूर्वाह्न**

राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष **श्री राज्यपाल का अभिभाषण।**

2-01.00 बजे अपराह्न

(1) श्री राज्यपाल के अभिभाषण का पढ़कर सुनाया जाना।

(2) औपचारिक कार्य, यथा अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों आदि का सदन के पटल पर रखा जाना, विधेयकों का पुरःस्थापन आदि, यदि कोई हों।

19 शुक्रवार 20 शनिवार 21 रविवार 22 सोमवार 23 मंगलवार	बैठक नहीं होगी।
24 बुधवार	1-निधन के निर्देश अर्थात् निधन की सूचना। 2-श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा। 3-विधायी कार्य।
25 गुरुवार	1-श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (अन्तिम दिन)। 2-विधायी कार्य।
26 शुक्रवार 27 शनिवार 28 रविवार 29 सोमवार 30 मंगलवार 31 बुधवार	बैठक नहीं होगी।

श्री अध्यक्ष-

संसदीय कार्य मंत्री जी प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गई है, सहमत है ?

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न है कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति के सिफारिश विषयक प्रस्ताव से जो संसदीय कार्य मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किया गया है, सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ)

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, मेरा एक निवेदन है।...

उत्तर प्रदेश विधान सभा

श्री अध्यक्ष-

महाना जी, आप तो विद्वान सदस्य हैं पढ़े लिखे हैं मंत्री भी रहे हैं आपके विद्वान नेता बैठे हैं आप भी बैठ जायं।

उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (संशोधन) विधेयक, 2007†

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करता हूं।

उत्तर प्रदेश हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेज (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान) (संशोधन) विधेयक, 2007††

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेज (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान) (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेज (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान) (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

---

† दिनांक 13-2-2007 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

†† दिनांक 13-2-2007 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेज (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान) (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करता हूं।

उत्तर प्रदेश किंग जार्ज दन्त विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007†

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश किंग जार्ज दन्त विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश किंग जार्ज दन्त विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश किंग जार्ज दन्त विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करता हूं।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007††

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करता हूं।

---

† दिनांक 13-2-2007 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

†† दिनांक 13-2-2007 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2007† † †

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करता हूं।

उत्तर प्रदेश औद्योगिक झगड़ा (संशोधन) विधेयक, 2007††

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश औद्योगिक झगड़ा (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश औद्योगिक झगड़ा (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

डा0 वकार अहमद शाह-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उत्तर प्रदेश औद्योगिक झगड़ा (संशोधन) विधेयक, 2007 को पुरःस्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष द्वारा सभी मंत्रियों/सदस्यों को आज रात्रि भोज हेतु आंमत्रण

श्री अध्यक्ष-

सभी माननीय सदस्यगण से मेरा निवेदन है कि आज मेरे आवास पर मैंने सबको भोज दिया है सबको कार्ड भेजे गये हैं जिसको न मिला हो वो भी आयें। मंत्रि-परिषद् के सभी सदस्य, दलीय नेता और सम्मानित सभी विधायकगण को मैं आमंत्रित करता हूं कि आज शाम को 7.30 बजे मेरे यहां मेरे आवास पर आयें।

---

† † † दिनांक 13-2-2007 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

†† दिनांक 13-2-2007 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

संसदीय कार्य, नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मैं इसके लिये आपको पहले से धन्यवाद देता हूं और यह जानना चाहता हूं कि केवल भोजन है कि खाना भी है।

श्री अध्यक्ष-

आप हमारा स्वभाव जानते हैं।

श्री मोहम्मद आजम खां-

खाना भी है ?

श्री अध्यक्ष-

अब हम लोग शाकाहारी व्यक्ति हैं।

मोहम्मद आजम खां-

तो ऐसा करिये कि लहसुन और प्याज और कम कर दीजिये उसमें से।

श्री अध्यक्ष-

अच्छा ठीक है। आपके खाने की व्यवस्था की जायेगी।

सभी मंत्रियों/सदस्यों के ग्रुप फोटोग्राफ कराये जाने सम्बन्धी व्यवस्था की सूचना

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्यों को एक सूचना है कि दिनांक 24 तारीख को आप सभी आयेंगे। आप सबका ग्रुप फोटोग्राफ करवाया जायेगा और विधान भवन के अन्दर का भी। आप सबका ग्रुप फोटोग्राफ करवाया जायेगा और उसकी एक-एक कापी आप सबको फ्री उपलब्ध कराई जायेगी इसलिये निवेदन है कि उस दिन सभी लोग उपस्थित हों।

अब हम उठते हैं 24 जनवरी, 2007 को पूर्वाह्न 11.00 बजे फिर बैठेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 1 बजकर 25 मिनट पर गुरुवार 24 जनवरी, 2007 को अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया)।

लखनऊ :

दिनांक 18 जनवरी, 2007

राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 348 विधान सभा (592)-11-7-07-813 (कम्प्यूटर)।